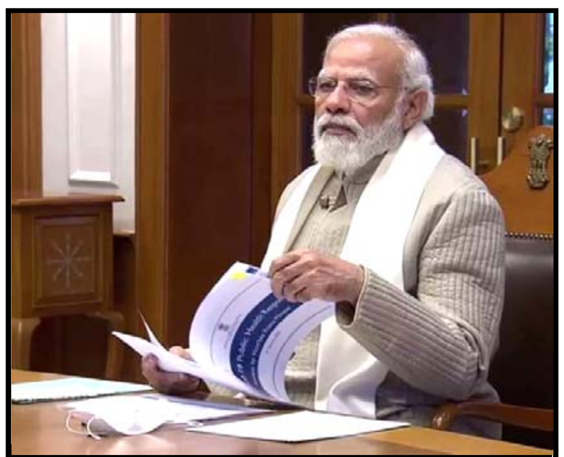

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के चलते बदलते हालात को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में मौजूदा सूरते हाल की समीक्षा हुई।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 30 दिनांकः 10-01-2022 सोमवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

लॉकडाउन में फंसने के डर से गांव वापस लौटने लगे प्रवासी मजदूर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बारे में जानकारी ली

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को स्वास्थ्य मंत्रालय और अन्य संबंधित एजेंसियों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बारे में जानकारी ली। इससे पहले प्रधानमंत्री ने 24 दिसंबर को भी ऐसी ही बैठक की थी। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम मोदी जल्द ही राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ बैठक करेंगे और कोरोना के हालातों की उच्चस्तरीय समीक्षा करेंगे। पीएम मोदी ने कोरोना की स्थिति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। यह समीक्षा बैठक ऐसे वक्त हुई है, जब दिल्ली, मुंबई जैसे बड़े महानगरों और तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों में कोरोना के मामले पिछले 15 दिनों में बेहद तेजी से बढ़े हैं।इस बीच चुनाव आयोग ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का ऐलान भी कर दिया है।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, ओमिक्रॉन वैरिएंट के साथ कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए तैयारियों का जायजा प्रधानमंत्री ने लिया। पीएम मोदी ने कहा कि सभी जिलों में कोरोना के इलाज की बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। किशोरों के वैक्सीनेशन का अभियान मिशन मोड में चलाया जाए। पीएम ने कहा, वैज्ञानिक शोध, टेस्टिंग, वैक्सीन और औषधीय विकास के बीच यह देखा जा रहा है कि कोरोना वायरस लगातार तेजी से रुख बदल रहा है। गैर कोविड चिकित्सा सेवाएं भी पहले की तरह बिना किसी बाधा के चलती रहें। टेलीमेडिसिन और अन्य सेवाओं के जरिये भी लोगों को दूरदराज से भी चिकित्सा सलाह मुहैया कराई जाए। ग्रामीण इलाकों के लोगों को भी लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछली समीक्षा बैठक में कहा था कि कोरोना महामारी का दौर अभी खत्म नहीं हुआ है और सतर्कता और सावधानी ही बचाव का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने सभी लोगों से कोविड प्रोटोकॉल के सभी मानकों का पूरी तरह से पालन करने को भी कहा था। तब से अब तक भारत में कोरोना के सक्रिय मरीज 80 हजार से बढ़कर 6 लाख तक पहुंच गए हैं। यह डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए चिंता का सबब बन सकता है। एम्स, आरएमएल समेत दिल्ली के कई अस्पतालों, संसद भवन के सैकड़ों कर्मचारी और सुप्रीम कोर्ट के चार जज समेत तमाम स्टाफ इस वायरस की चपेट में आ चुके हैं। दिल्ली में पहले ही वीकेंड कर्फ्यू लागू किया जा चुका है।

बेकाबू हो रहे कोरोना केसो के बीच ऐक्शन में मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर में एक बार फिर से कोरोना की बेलगाम होती रफ्तार के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोविड-19 की स्थिति को लेकर आज बैठर करेंगे। यह बैठक दिल्ली में आज यानी रविवार शाम साढ़े 4 बजे होगी। बता दें कि देश में आज कोरोना के करीब एक लाख 60 हजार नए केस आए हैं और ऐक्टिव केसों में भी बड़ा उछाल आया है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते 224 दिनों बाद देश में कोरोना के दैनिक मामले डेढ़ लाख के पार हुए हैं। बीते एक दिन में ऐक्टिव मामलों में 1 लाख 65 हजार 553 केसों का इजाफा हुआ है। अब देश में कोरोना के कुल 5 लाख 90 हजार 611 ऐक्टिव केस हैं जो करीब 197 दिनों बाद सबसे ज्यादा हैं। वहीं, बीते 24 घंटे में कोरोना के 327 मरीजों की जान भी गई है। राज्यों द्वारा नाइट कर्फ्यू, वीकेंड कर्फ्यू, बाजारों के खुलने के लिए ऑड-ईवन स्कीम जैसी कई सख्तियां बरतने के बावजूद ओमिक्रॉन वैरिएंट तेजी से फैल रहा है। देश में अब तक ओमिक्रॉन के 3 हजार 623 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। इसमें से 552 मामले पिछले एक दिन में दर्ज किए गए हैं। हालांकि, ओमिक्रॉन के कुल मरीजों में से 1409 ठीक भी हो चुके हैं। महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के सबसे ज्यादा 1009 मामले आए हैं। इसके बाद दिल्ली में 513, कर्नाटक में 441, राजस्थान में 373, केरल में 333 और गुजरात में 204 हैं।

पीएम सुरक्षा में चूक पर सीएम चन्नी ने प्रियंका को अवगत कराया

-चन्नी ने कहा- पंजाब में पीएम को खतरा नहीं था, वह पूरी तरह से सुरक्षित थे

-प्रियंका गांधी को ब्रीफ करने को लेकर सीएम पर भड़की भाजपा

नई दिल्ली(ईएमएस)। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक का मामला शांत होता दिखाई नहीं दे रहा है। इसबीच खबर है कि पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने इस मामले को लेकर प्रियंका गांधी से बातचीत की है और सारे मसले से उन्हें अवगत करा दिया है। चन्नी ने यहां तक कहा कि पंजाब में प्रधानमंत्री को कोई खतरा नहीं था। प्रधानमंत्री पूरी तरह से सुरक्षित थे। हालांकि भाजपा प्रियंका गांधी को ब्रीफ करने को लेकर पूरी तरह से भड़क गई है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने सीएम चरणजीत सिंह चन्नी पर जबरदस्त तरीके से पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता ने पूछा कि चन्नी ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर प्रियंका गांधी को ब्रीफ क्यों किया?

संबित पात्रा ने साफ तौर पर कहा कि एक सीटिंग मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा जैसे गंभीर मसले पर प्रियंका गांधी को ब्रीफ किया। इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि आखिर मुख्यमंत्री ने प्रियंका गांधी वाड्रा को पीएम की सुरक्षा की जानकारी क्यों दी प्रियंका के पास कौन सा संवैधानिक पद है और वह पीएम की सुरक्षा के संबंध में क्या जानकारी रखती हैं? इसके साथ ही संबित पात्रा ने मांग की कि गांधी परिवार को इस मामले को लेकर सफाई देनी चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर पूछा कि प्रियंका गांधी कौन है जिन्हें एक सेटिंग चीफ मिनिस्टर ब्रीफ करते हैं। इसके साथ ही तंज में उन्होंने कहा कि चन्नी साहब थोड़ा ईमानदार हो जाइए। इससे पहले चरणजीत सिंह चन्नी ने दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया फिरोजपुर यात्रा के दौरान उनकी जान को कोई खतरा नहीं था और उनपर निशाना साधने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल की एक टिप्पणी का सहारा लिया। चन्नी ने सरदार पटेल के उद्धरण को ट्विटर पर साझा करते हुए कहा, जो कर्तव्य से अधिक अपने जीवन की परवाह करता है, उसे भारत जैसे देश में बड़ी जिम्मेदारियां नहीं संभालनी चाहिए।

26 दिसंबर को मनाया जाएगा 'वीर बाल दिवसः पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ऐलान किया है कि सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह के चारों बेटों को श्रद्धांजलि देने के लिए इस साल से 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। मोदी ने गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर यह घोषणा की है। उन्होंने ट्वीट किया कि यह 'साहिबजादों' के साहस और न्याय स्थापना की उनकी कोशिश को उचित श्रद्धांजलि है। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्रों की मुगलों ने हत्या कर दी थी। दरअसल, पीएम मोदी ने ट्वीट किया, 'वीर बाल दिवस उसी दिन मनाया जाएगा, जब साहिबजादा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी ने दीवार में जिंदा चिनवा दिए जाने के बाद शहीदी प्राप्त की थी। इन दो महान हस्तियों ने धर्म के महान सिद्धांतों से विचलित होने के बजाय मौत को चुना। माता गुजरी, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और चार साहिबजादों की बहादुरी और आदर्शों ने लाखों लोगों को ताकत दी। पीएम ने आगे लिखा, 'उन्होंने कभी अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाया और समावेशी और सौहार्दपूर्ण विश्व की कल्पना की। यह समय की मांग है कि और लोगों को उनके बारे में पता चले। प्रधानमंत्री के इस ऐलान के बाद बीजेपी सांसद प्रवेश साहिब सिंह ने ट्वीट कर कहा कि 2018 में मैंने एक मुहिम शुरू की थी और संसद के एक-एक सांसद से मिलकर हस्ताक्षर अभियान शुरू किया कि 26 दिसंबर को चार साहिबजादों के बलिदान दिवस पर बाल दिवस मनाया जाए। आज इस ऐतिहासिक कार्य को पूरा करने के लिए मैं आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल से कोटि-कोटि धन्यवाद करता हूं।

पंजाब में घातक हुआ कोरोना 24 घंटे में ऑक्सीजन सपोर्ट पर मरीजों की संख्या में 264 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब में कोविड के मामलों में भारी वृद्धि के अलावा, पिछले 24 घंटों में ऑक्सीजन पर भी मरीजों की संख्या बढ़ी है। शनिवार को जारी राज्य के मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, शुक्रवार को सिर्फ 62 मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे। लेकिन शनिवार को ये संख्या 226 मरीजों (164 नए मरीज) पर पहुंच गई। यह महज 24 घंटे में 264 प्रतिशत की छलांग थी। इससे पहले 1 जनवरी को केवल 23 मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे। राज्य की पॉजिटिविटी रेट शुक्रवार को 11.75 प्रतिशत के मुकाबले शनिवार को 14.64 प्रतिशत पर पहुंच गई है। राज्य ने कोरोना के 2,901 मामले सामने आए थे लेकिन शनिवार को ये संख्या 3,643 हो गई। 1 जनवरी को रिपोर्ट किए गए कोविड मामलों की संख्या सिर्फ 332 थी। इस बीच, लेवल 3 सपोर्ट वाले मरीजों की संख्या शुक्रवार को 20 से बढ़कर शनिवार को 55 हो गई, जो 175 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी अवधि में वेंटिलेटर पर मरीजों की संख्या 6 से 11 हो गई है। 1 जनवरी को कोई भी मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर नहीं था और केवल आठ मरीज लेवल 3 सपोर्ट पर थे। 1 जनवरी को पॉजिटिविटी रेट 2.02 प्रतिशत थी। मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, पंजाब में शुक्रवार को 3,643 ताजा कोविड मामले सामने आए, जिससे संक्रमण की संख्या 6,17,536 हो गई। मोहाली में, राज्य की संक्रमण दर 14.64 प्रतिशत के मुकाबले 44.33 प्रतिशत नमूने पॉजिटिव पाए गए। पटियाला ने 32.31 प्रतिशत की संक्रमण दर के साथ अधिकतम 840 मामले दर्ज किए।

अभी लॉकडाउन नहीं लगाएंगे कोरोना पर बोले केजरीवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण चिंता का विषय है, लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है। यह भी इसलिए कह रहा हूं क्योंकि मैंने सारे आंकड़ों का अध्ययन करने के बाद पाया है कि यह कम खतरनाक है और उसके लक्षण भी हल्के हैं। केजरीवाल ने कहा दिल्ली में शनिवार को 20,000 कोरोना मरीज आए हैं, लेकिन दिल्ली में अस्पतालों में मरीजों की संख्या 15100 है, जबकि बीते साल 7 मई को जब 20000 केस आए थे तो अस्पताल में मरीजों की संख्या कई गुना ज्यादा थी। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि अगर वो कह रहे हैं कि घबराने की जरूरत नहीं है तो इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि लोग मास्क लगाना छोड़ दें। हमें जागरूक रहना होगा और मास्क लगाना होगा और भीड़ वाली जगहों पर जाने से बचना होगा। मास्क लगाएंगे तो लॉकडाउन की जरूरत नहीं अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मेरे पास बहुत से सवाल आ रहे हैं कि क्या दिल्ली में लॉकडाउन लगने जा रहा है, लेकिन मैं बता रहा हूं कि अभी सरकार ने इस पर कोई फैसला नहीं किया है। मुझे लगता है अगर हम मास्क लगाएंगे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करेंगे तो लाकडाउन की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुझे पता है कि लॉकडाउन लगने से लोगों के व्यापार, रोजगार पर असर पड़ता है। हम भी लॉकडाउन लगाना नहीं चाहते हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि हम मास्क पहनें और सभी लोग जागरूक रहें। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कोरोना के बढ़ते संक्रमण पर मैं और एलजी साहब पूरी नजर बनाए हुए हैं। सोमवार को मौजूदा हालात को लेकर दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण(डीडीएमए) की बैठक होगी। उस बैठक में वर्तमान स्थिति को देखते हुए और विशेषज्ञों की राय लेने के बाद जो फैसले लेने होंगे, वह लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से भी हम लगातार संपर्क में है और केंद्र से हमें पूरी मदद मिल रही है। कोरोना से संक्रमित होने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज पहली बार प्रेस कांफ्रेंस करने के लिए आए। उन्होंने कहा कि सात आठ दिन तक होम आइसोलेशन में रहने के बाद अब मैं बिल्कुल ठीक हूं। कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मैं होम आइसोलेशन में था, जबकि कोई गंभीर लक्षण नहीं थे, अब मैं बिल्कुल ठीक हूं और सभी की दुआओं और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद।

ओमिक्रॉन के बाद अब आ रहा है डेल्टाक्रॉन

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना वायरस के एक के बाद एक वैरिएंट ने पूरी दुनिया की नींद उड़ा रखी है। दूसरी लहर में भारत और दुनिया को बुरी तरह प्रभावित करने वाले डेल्टा वैरिएंट से उबरने के बाद इस समय ओमिक्रॉन का खतरा मंडराया हुआ है। लेकिन अब इन सबसे बीच एक और वैरिएंट सामने आया है जिसके 'डेल्टाक्रॉन कहा जा रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि साइप्रस में एक नया कोरोना वायरस वैरिएंट डेल्टाक्रॉन उभरा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'डेल्टाक्रॉन' का जेनेटिक बैकग्राउंड डेल्टा वैरिएंट के समान है, साथ ही इसमें ओमिक्रॉन जैसे कुछ म्यूटेशन भी हैं। इसीलिए इसे 'डेल्टाक्रॉन' कहा गया है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह चिंता की बात नहीं है। कुल मिलाकर, साइप्रस में लिए गए 25 नमूनों में ओमिक्रॉन के 10 म्यूटेशन पाए गए। जेरूसलम पोस्ट ने साइप्रस मेल का हवाला देते हुए बताया कि नमूनों में से 11 ऐसे लोगों के थे जो वायरस के कारण अस्पताल में भर्ती थे, जबकि 14 सामान्य आबादी से आए थे। साइप्रस विश्वविद्यालय में जैव प्रौद्योगिकी और आणविक वायरोलॉजी की प्रयोगशाला के प्रमुख डॉ. लियोनडिओस कोस्त्रिकिस ने कहा कि अस्पताल में भर्ती रोगियों के बीच म्यूटेशन की फ्रीक्वेंसी अधिक थी और यह नए वैरिएंट और अस्पताल में भर्ती होने के बीच संबंध की इशारा करता है। कोस्त्रिकिस ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस वैरिएंट का डेल्टा वैरिएंट के समान जेनेटिक बैकग्राउंड है, साथ ही साथ ओमिक्रॉन से कुछ म्यूटेशन भी हैं। साइप्रस के स्वास्थ्य मंत्री मिखालिस हाडजीपांडेलस ने शनिवार को कहा कि नया वैरिएंट फिलहाल चिंता की बात नहीं है। मंत्री ने नए वैरिएंट की खोज पर भी गर्व व्यक्त किया। हाजीपांडेलस ने कहा कि डॉ. कोस्त्रिकिस की टीम के अभूतपूर्व शोध और निष्कर्ष हमें अपने वैज्ञानिकों पर गर्व कराते हैं। जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, मंत्री ने यह भी कहा कि यह शोध स्वास्थ्य के मामलों में साइप्रस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रखता है। वैसे अभी तक, नए वेरिएंट के वैज्ञानिक नाम की घोषणा नहीं की गई है।

12 जनवरी 2022 से शुरू होगी नीट पीजी काउन्सलिंग : मनसुख मंडाविया

नई दिल्ली (ईएमएस)। जूनियर डॉक्टरों के लिए 12 जनवरी 2022 से पीजी नीट काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। भारत के स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। डॉ मनसुख मंडाविया ने कहा कि, रेसीडेंट डॉक्टरस को स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा दिए आश्वासन अनुसार, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद एमसीसी द्वारा नीट पीजी काउन्सलिंग 12 जनवरी 2022 से शुरू की जा रही है। इससे कोरोना से लड़ाई में देश को और मज़बूती मिलेगी। सभी उम्मीदवारों को मेरी शुभकामनाएं। इससे पहले नीट दाखिले में आरक्षण पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद

मेडिकल काउंसलिंग कमिटी (एमसीसी) ने अहम नोटिस जारी किया था। इसमें एमसीसी ने अभ्यर्थियों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बारे में बताया है और आश्वासन दिया था कि काउंसलिंग का नया शेडयूल जल्द ही वेबसाइट स्म्म.हग्म.ग्ह पर जारी होगा। एमसीसी ऑल इंडिया कोटा सीटों में नीट यूजी प्रवेश परीक्षा 2021 के लिए 15 फीसदी और नीट पीजी प्रवेश 2021 के लिए 50 फीसदी सीटों पर ऑनलाइन काउंसलिंग आयोजित करेगा। यूजी और पीजी दोनों स्तरों के लिए बाकी बची सीटों (स्टेट कोटा) के लिए राज्यवार काउंसलिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। एमसीसी ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आरक्षण के नियम इस प्रकार रहेंगे -

देश व धर्म की रक्षा के लिए 4 साहिबजादों व राष्ट्रभक्ति देश की धरोहर हैः मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाशपर्व के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा साहिबजादों के बलिदान दिवस 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाने के निर्णय का स्वागत किया। श्री अमित शाह ने ट्वीट्स के माध्यम से कहा कि ''प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'वीर बाल दिवस' मनाने के निर्णय से चार साहिबजादों की राष्ट्रभक्ति से न सिर्फ आज करोड़ों बच्चे प्रेरणा लेकर राष्ट्रसेवा में अपना योगदान दे पाएँगे बल्कि आने वाली पीढ़ियों तक उनका बलिदान याद किया जाएगा। इसके लिए मोदी जी का अभिनंदन करता हूँ।'' केन्द्रीय गृह मंत्री ने देशवासियों को खालसा पंथ के संस्थापक सरबंसदानी गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाशपर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ''दशम सिख गुरु व खालसा पंथ के संस्थापक सरबंसदानी गुरु गोबिंद सिंह जी ने अधर्म और राष्ट्र विरोधी शक्तियों के विरुद्ध एकता की सीख दी। उनका त्याग, साहस और शिक्षाएं राष्ट्र-कल्याण के लिए सदैव हमारा मार्गदर्शन करती रहेंगी।''

श्री शाह ने कहा कि ''देश व धर्म की रक्षा के लिए 4 साहिबजादों व माता गुजरी का अतुलनीय बलिदान व राष्ट्रभक्ति देश की धरोहर है।''

10 से 16 जनवरी तक प्रतिष्ठित सप्ताह के दौरान भारी उद्योग मंत्रालय आजादी का अमृत महोत्सव मनाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। आजादी का अमृत महोत्सव प्रगतिशील भारत के 75 साल और अपने लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने और अभिनंदन करने की भारत सरकार की पहल है। इस पहल के तहत भारी उद्योग मंत्रालय प्रतिष्ठित सप्ताह 10 से 16 जनवरी 2022 तक आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। भारी उद्योग मंत्रालय स्वचालित और पूंजीगत सामान क्षेत्र सहित विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी, हरित और प्रौद्योगिकी संचालित विनिर्माण क्षेत्र विकसित करने पर केंद्रित है, जो विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देता है। आजादी का अमृत महोत्सव समारोह मनाने के तहत भारी उद्योग मंत्रालय ने प्रतिष्ठित सप्ताह के दौरान अपने सीपीएसई और स्वायत्त निकायों के साथ मिलकर देश भर में कई कार्यक्रमों और गतिविधियां चलाने की योजना बनाई है, जिसमें हरिद्वार, बेंगलुरु, भोपाल, झांसी, पुणे, हैदराबाद आदि शामिल हैं। यह कार्यक्रम ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), पुणे, एंड्रयू यूले एंड कंपनी लिमिटेड (एवाईसीएल), भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल), ब्रेथवेट बर्न एंड जेसॉप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (बीबीजे), कोलकाता, ब्रिज एंड रूफ लिमिटेड (बीएंडआर), कोलकाता, सीमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआई), सेंट्रल मैन्युफैक्चरिंग इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया (सीएमटीआई), बेंगलुरु, इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड (ईपीआईएल), द्रव नियंत्रण अनुसंधान संस्थान (एफसीआरआई), पलक्कड, हिंदुस्तान मशीन टूल्स लिमिटेड (एचएमटी), हिंदुस्तान साल्ट्स लिमिटेड/सांबर साल्ट्स लिमिटेड (एचएसएल/एसएसएल) आदि में होंगे।

पांच राज्यों के वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट में नहीं होगी मोदी की तस्वीर

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर का इस्तेमाल उन पांच राज्यों के वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट में नहीं होगा, जहां अगले माह विधानसभा चुनाव होने हैं. सूत्रों ने रविवार को ये जानकारी दी है. चुनाव आयोग ने शनिवार को यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था. इन राज्यों में तारीखों की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू हो गई है. इसी के तहत यह कदम उठाया गया है.

लॉकडाउन में फंसने के डर से गांव वापस लौटने लगे प्रवासी मजदूर

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुंबई, दिल्ली और अन्य राज्यों में कोरोना के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए लोग अब अपने-अपने गांव लौटने लगे हैं। उनके पलायन कर घर की ओर जाने के पीछे कोरोना के साथ लॉकडाउन का खौफ है। लॉकडाउन के बीच परेशानी में फंस जाएं, इसलिए पहले से ही पूरी तरह तैयारी कर घर निकल लिए हैं। लौटने वालों ने सिर्फ एक लाइन में कहा कि कोरोना के बढ़ते आंकड़े अब डराने लगे हैं। हर दिन कोरोना की रफ्तार और तेजी से बढ़ रही है। लॉकडाउन में फंसने से अच्छा है अपने घर में रहेंगे। कोरोना के बढ़ते आंकड़ों और लॉकडाउन की आशंका के मद्देनजर प्रवासी अपने गांव लौटना शुरू कर चुके हैं। दिल्ली में तो शुक्रवार की शाम से दो दिन का लॉकडाउन लगाया गया। प्रवासी रेल और बसों के माध्यम से अपने घर पहुंच कर कोरोना का सामना करने का मन बना रहे हैं। पुणे में यूनाइटेड फिल्टर प्राइवेट लिमिटेड में मजदूरी करने वाले निक्की ठाकुर लॉकडाउन के डर से घर लौट आए। मुजफ्फरपुर के रहने वाले इंजीनियर पीयूष मिश्रा वैसे तो छुट्टी लेकर लौटे हैं, लेकिन उन्होंने बताया कि बढ़ते कोरोना के मामलों और लॉकडाउन के खतरे के कारण प्रवासी लौटने लगे हैं। हालांकि अभी उनकी संख्या कम है। यदि कोरोना की रफ्तार ऐसी ही रही तो दो से चार दिनों के भीतर लौटने वालों की संख्या काफी बढ़ जाएगी। एक रेल यात्री ने बताया कि डर के मारे चले आए हैं। कोरोना की रफ्तार तीसरी लहर में काफी खतरनाक है। संक्रमण का आंकड़ा पूरी रफ्तार से तेज होती जा रही है। ऐसे में रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर प्रवासियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। सिर पर सामान का बोझ रखे और हाथ में बेटे, पत्नी या फिर मां का हाथ पकड़े प्रवासी वापस अपने घर लौटने लगे हैं। ओखला स्थित फैक्ट्री में काम करने वाले रामकिशुन ने बताया कि दिल्ली और मुंबई में कोरोना बहुत तेजी से अपने चपेट में लोगों को ले रहा है। इस स्थिति में राज्य सरकारों के द्वारा कई कड़े नियम भी लगाए जा रहे हैं। बावजूद इसके कोरोना की रफ्तार कम नहीं हो रही है। ऐसे में आशंका है कि फिर एकबार कहीं लॉकडाउन की घोषणा नहीं हो जाए। लॉकडाउन में फंसने के बाद स्थिति विकट हो जाती है। अपने घर में रहकर किसी भी परिस्थिति का सामना करना आसान होता है। अपने परिवार के साथ गाजियाबाद में रहकर काम करने वाले सुजीत ने बताया कि अभी घर पहुंचना आवश्यक है। लॉकडाउन के दौरान घर और गांव में रहना आसान है। जिले में भी कोरोना की रफ्तार काफी बढ़ गई है। जिले में डीएम, एसडीओ और एसडीपीओ सहित कई डॉक्टर और पदाधिकारी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कराने के उद्देश्य से प्रशासन मास्क चेकिंग अभियान चला रही है। चौक-चौराहों पर पुलिसकर्मी मास्क लगाने के लिए लोगों को हिदायत भी दे रहे हैं।

संजय राउत ने कहा, 'तृणमूल कांग्रेस की उपस्थिति से गोवा में भाजपा को फायदा होगा'

मुंबई (ईएमएस)। शिवसेना सांसद संजय राउत ने ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर ''कांग्रेस विरोधी'' रुख के लिए प्रहार किया और दावा किया कि टीएमसी की उपस्थिति से भाजपा को फायदा होगा।

शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में अपने साप्ताहिक कॉलम 'रोकटोक' में तृणमूल कांग्रेस पर हमला करते हुए राउत ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने अन्य दलों के 'अविश्वसनीय नेताओं' को शामिल किया है और यह रवैया पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की छवि के अनुकूल नहीं है, जो खुद चुनाव लड़ रही हैं। राउत ने कहा कि सभी दलों ने गोवा को 'राजनीतिक प्रयोगशाला' बना दिया है।

उन्होंने कहा, ''यह समझ में आता है कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा का उद्देश्य कांग्रेस के अस्तित्व का सफाया करना है। लेकिन, अगर बनर्जी का एक ही उद्देश्य है, तो यह उनकी छवि के अनुरूप नहीं है।'' राउत ने दावा किया कि टीएमसी गोवा में विधानसभा चुनावों के लिए अत्यधिक खर्च कर रही है और कई लोग कहते हैं कि पार्टी द्वारा खर्च किए गए धन का स्रोत ''कहीं और'' से है।

गोवा में भाजपा नेता गजानन तिल्वे कांग्रेस में शामिल

पणजी (ईएमएस)। पणजी के शिवोली से भाजपा के युवा मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गजानन तिल्वे रविवार को कांग्रेस में शामिल हो गए. इस अवसर पर विपक्ष के नेता दिगंबर कामत, गोवा प्रभारी दिनेश गुंडू राव, युवा कांग्रेस अध्यक्ष एड. वरद मर्दोलकर, अखिलेश यादव, अर्चित नाइक, सैश सरोस्कर, हिमांशु तिवरेकर आदि उपस्थित थे।

इसके अलावा संकेत पारसेकर, विनय वैनगंकर, ओम चोडनकर, अमित नाइक, जोन डायस, बासिल ब्रगांजा, नीलेश धारगलकर, प्रतीक नाइक और नीलकंठ नाइक भी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। गजानन तिल्वे ने आरोप लगाया कि भगवा पार्टी का कोई सिद्धांत नहीं है और इसका मकसद किसी भी हद तक जाकर सत्ता हथियाना है। उन्होंने कहा कि यह पार्टी अब बदल गई है। इसने मुझे पार्टी छोड़ने और कांग्रेस में शामिल होने के लिए मजबूर किया। मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस सरकार बनाने के लिए बहुमत से जीतेगी।

नीट यूजी और पीजी में आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठे

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने नीट-पीजी काउंसलिंग 2021 को हरी झंडी दे दी है। ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण को भी सुप्रीम कोर्ट की ओर से मंजूरी मिल गई है। वहीं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्लूएस) के लिए 10 फीसदी आरक्षण इस वर्ष प्रभावी रहेगा। इस फैसले के बाद आरक्षण सीमा लगभग 65ङ हो जाएगी जिसका विरोध किया जा रहा है।

इस फैसले से सभी मेधावी छात्रों को सरकार द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों में अध्ययन करने का अवसर नहीं मिलेगा। उच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को निजी/कॉर्पोरेट अस्पतालों को स्वीकार करना होगा, वे अधिक खर्च करेंगे और कम अनुभव प्राप्त करेंगे।

विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार स्नातक स्तर तक आरक्षण का समर्थन कर रही है जो स्वीकार्य हो सकता है। ऐसे में एमबीबीएस पास करने वाला व्यक्ति कम से कम 65000-70000 रुपये प्रति माह प्राप्त करने के लिए पात्र होगा। क्या मेधावी छात्रों की कीमत पर स्नातकोत्तर स्तर पर ऊपर जाने के लिए समान अधिकार देना उचित है? उनका कहना है कि एमबीबीएस सभी एक ही कैटेगरी में होने चाहिए। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि यही उचित समय है कि मेधावी छात्रों को सुपरन्यूमरी बढ़ा कर न्यायोचित ठहराया जाए ताकि अधिक पीजी सीटें मिल सकें। इसलिए अतिरिक्त संख्या बढ़ानी होगी। उनका कहना कहना है कि भारत की आरक्षण नीति सभी भारतीयों के बीच भारी भेदभाव पैदा कर रही है। आरक्षण नीति भारतीय मस्तिष्क को निष्पक्ष अवसर प्राप्त करने के लिए विदेश जाने को विवश करती है।

ज्ञात रहे कि कोर्ट ने इस वर्ष (2021-22) के लिए ईडब्लूएस के लिए आय मानदंड को जारी रखने के लिए अजय भूषण पांडे समिति की सिफारिश को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट के मुताबिक, इस साल पुराने नियमों के आधार पर ही एडमिशन दिए जाएंगे। हालांकि, भविष्य में इस कोटे को जारी रखा जाएगा या नहीं, इसका निर्णय सुप्रीम कोर्ट करेगा। मामले में अगली सुनवाई मार्च के दूसरे हफ्ते में की जाएगी।

नीट यूजी और पीजी में आरक्षण का मुद्दा काफी लंबे वक्त से लंबित था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 जुलाई को संबंधित केंद्रीय मंत्रियों को इस समस्या का समाधान निकालने का निर्देश दिया था। इसके बाद नीट यूजी और पीजी दाखिले में आरक्षण लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस फैसले से हर साल एमबीबीएस में लगभग 1500 ओबीसी छात्रों और स्नातकोत्तर में 2500 ओबीसी छात्रों व एमबीबीएस में लगभग 550 ईडब्ल्यूएस छात्रों एवं स्नातकोत्तर में लगभग 1000 ईडब्ल्यूएस छात्रों को फायदा होगा। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का कहना है कि इस फैसले से करीब 5,550 विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

कार्टून कोना

महाराष्ट्र में खतरनाक हो रहा कोरोना, मिले 44000 से अधिक मामले

- मुंबई में 19 हजार से ज्यादा मरीज

मुंबई, (ईएमएस)। कोरोना की पहली और दूसरी लहर में सबसे ज्यादा मार झेलने वाला महाराष्ट्र एक बार फिर से तीसरी लहर में संक्रमण की चपेट में आता हुआ दिख रहा है. राज्य में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 44,388 मामले सामने आए जबकि एक दिन में कुल 12 लोगों की मौत हो गई. अगर एक दिन में ठीक होने वालों की संख्या की बात करें तो राज्य में 24 घंटे में 15,351 ठीक हुए. राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य में कोरोना से अब तक मृतकों की संख्या 1 लाख 41 हजार 639 पहुंच गई है. फिलहाल महाराष्ट्र में कोरोना के ऐक्टिव केस 2 लाख 2 हजार 259 हैं. वहीं महाराष्ट्र में 207 लोगों में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की पहचान की गई है. इस प्रकार राज्य में अब तक 1216 ओमिक्रॉन मरीज मिल चुके हैं.उधर मुंबई में कोरोना के 19 हजार 474 नए मरीजों की पुष्टि हुई है. मुंबई में इन 20 हजार के करीब मरीजों में 82 फीसदी यानी 15,969 में कोई लक्षण नहीं पाए गए हैं. इनमें से 1240 मरीजों को ही अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ी है.

- पुणे में कोरोना आउट ऑफ कंट्रोल

पुणे में कोरोना आउट ऑफ कंट्रोल हो गया. पुणे में कोरोना एक ही दिन में दुगुनी संख्या तक पहुंच गया. रविवार को पुणे में 4 हजार 29 केस सामने आए. एक मरीज की मौत हुई. शनिवार को इससे आधा यानी दो हजार चार सौ इकहत्तर केस सामने आए थे. इस तरह पुणे में ऐक्टिव कोरोना केस की संख्या 14 हजार 890 तक हो चुकी है. इनमें से 548 मरीजों का अस्पताल में इलाज शुरू है.

- नागपुर में 832 नए केस

नागपुर की बात करें तो नागपुर जिले में रविवार को 832 नए केस सामने आए. दिन भर में 96 लोगों ने कोरोना को मात दी. फिलहाल नागपुर जिले में 3345 ऐक्टिव कोरोना केस मौजूद हैं.

जन हितैषी

जन हितैषी

चुनाव का बिगुल

पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव का एलान कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने शनिवार को चुनाव की तारीखों का एलान किया। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा सात चरणों में मतदान होंगे। नतीजे 10 मार्च को आएंगे। पहले चरण की वोटिंग 10 फरवरी को होगी। दूसरे फेज में 14 फरवरी, तीसरे फेज में 20 फरवरी, चौथे फेज में 23 फरवरी, पांचवें फेज में 27 फरवरी, छठे फेज में तीन मार्च और सातवें फेज में सात मार्च को वोटिंग होगी। बार-बार मुख्यमंत्री बदले जाने से चर्चा में आए उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव एक चरण में 14 फरवरी को होगा। इसके लिए 21 जनवरी को नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा। उत्तराखंड के साथ ही पंजाब में भी एक ही चरण में चुनाव होगा। यहां भी 14 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। गोवा की सभी 40 सीटों पर 14 फरवरी को मतदान होगा। इसके लिए 21 जनवरी को अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। मणिपुर की 60 सीटों पर दो चरणों में मतदान होंगे। पहले चरण में 38 सीटों पर 27 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। दूसरे चरण में 22 सीटों पर 3 मार्च को वोटिंग होगी। पांचों राज्यों में सबसे ज्यादा नजर यूपी पर रहेगी। उत्तर प्रदेश में 10 फरवरी से सियासी समर की शुरुआत होगी। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच पिछले दो महीने के दौरान यहां काफी रैलियां हुईं। नेताओं ने जमकर वादे किए। मगर महंगाई, बेरोजगारी पर कोई भी सटीक भरोसा नहीं दे पाया। साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए सेमीफाइनल माने जा रहे उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए बिगुल बज चुका है। अयोध्या में राममंदिर निर्माण, किसान आंदोलन और कोरोना महामारी से मचे हाहाकार की पृष्ठभूमि में होने जा रहे इस चुनावी महासमर में प्रादेशिक और स्थानीय मसलों पर मतदाताओं ने कितनी तवज्जो दी, नतीजों से पता चलेगा। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दिग्गजों के नेतृत्व की यह कठिन परीक्षा है। बड़े दलों के अलग-अलग खम ठोकने के कारण उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बहुकोणीय मुकाबला होना तय है। हालांकि, मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भाजपा और सपा के बीच माना जा रहा है। कांग्रेस और आप उपस्थिति दर्ज कराने के लिए हाथ पांव मार रही है तो बसपा आक्रामक तेवरों से दूर है। ऐसे में राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा, यह अबूझ पहेली बना हुआ है। राममंदिर, किसान आंदोलन, कोरोना महामारी के प्रबंधन जैसे राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों के महाभारत में प्रधानमंत्री मोदी, सीएम योगी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत दिग्गज नेताओं के नेतृत्व की परीक्षा भी होगी। नतीजे न सिर्फ सूबे की बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की भी दशा और दिशा तय करेंगे। इस चुनाव से लोकसभा के बीते दो और विधानसभा के एक चुनाव में बुरा प्रदर्शन करने वाली सपा और बसपा का भविष्य तय होगा। आप, कांग्रेस भी कसौटी पर हैं। सत्ता बनाए रखने के लिए भाजपा हिंदुत्व के साथ सोशल इंजीनियरिंग के भरोसे है। पार्टी की कोशिश अगड़ों, गैर यादव पिछड़ों और गैर जाटव दलितों को जोड़े रखने की है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि खासतौर से अति पिछड़ी जातियां और गैर जाटव दलित मुफ्त अनाज कार्यक्रम के साथ कम से कम तीन अहम केंद्रीय योजनाओं का लाभ मिलने के कारण इस चुनाव में भी उसका साथ देगी। इस बार भी उसे अगड़ों का साथ मिलेगा। इस चुनाव में सुभासपा उसके साथ नहीं है, मगर पार्टी ने निषाद पार्टी से गठबंधन कर इसकी भरपाई करने की कोशिश की है।

भारत से छुट्टियों की छुट्टी

भारत तो दुनिया का शायद एक मात्र देश है, जिसकी जनता साल में सबसे ज्यादा छुट्टियां मनाती है। मुंबई उच्च न्यायालय ने अपने ताजा फैसले में कहा है कि सार्वजनिक अवकाश कोई मौलिक अधिकार नहीं है। उसने उस याचिका को रद्द कर दिया है, जिसमें दादर-हवेली में 2 अगस्त की छुट्टी की मांग की गई थी। इसी दिन 1954 में पुर्तगाली शासन से वह मुक्त हुआ था। आजकल हमारे सरकारी दफ्तर शनिवार और रविवार को बंद होते हैं याने साल में 104 दिन की छुट्टी एकदम पक्की है। 24 छुट्टियां धार्मिक त्यौहारों की होती हैं। लगभग 30 छुट्टियों के कुछ और बहाने बन जाते हैं। इसके अलावा बाकायदा वैतनिक छुट्टियां 30 दिन और बीमारी की भी 15 दिन होती है। इनके साथ आकस्मिक छुट्टियां भी होती हैं। याने कुल मिलाकार साल भर में हमारे सरकारी कर्मचारी लगभग 200 दिन की छुट्टी ले सकते हैं। अर्थात उन्हें तब भी वेतन मिलता है, जबकि वे कोई काम नहीं करते। हम जरा दुनिया के सब समृद्ध और विकसित राष्ट्रों की तुलना भारत से करें तो हमें मालूम पड़ेगा कि वे राष्ट्र वैतनिक छुट्टियां कम से कम देते हैं। अमेरिका में 11, ब्रिटेन में 8, चीन में 7, यूरोप में 8 या 10, जापान में 16, मलेशिया में 19 और ईरान में 27 और नार्वे में सिर्फ 2 छुट्टियां होती हैं।

जिन राष्ट्रों में कर्मचारियों की तनख़ा ज्यादा होती है, उनकी सरकारें और कंपनियां उन्हें छुट्टियां भी कम देती हैं लेकिन जिन राष्ट्रों में तनखा कम होती है, उनमें ज्यादा छुट्टियां होती हैं। हमारे देश में ज्यादातर कर्मचारी दफ्तरों में पूरे समय डटकर काम भी नहीं करते। 7-8 घंटों में से वे अगर 4-5 घंटे भी रोज डटकर काम करें तो हमारा भारत दूनी रफ्तार से आगे बढ़ सकता है। जो एक बार सरकारी नौकरी पा गया, उसे जीवन भर का बीमा मिल गया। यदि देश में छुट्टियां आध्ीा कर दी जाएं और हर नौकरी के चलते रहने की हर पांच साल में समीक्षा होती रहे तो यह रेंगता हुआ भारत दौड़ने लगेगा।

भारत अपने आप को धर्म-निरपेक्ष कहता है लेकिन नेता लोग थोक वोट के लालच में हर धर्म और संप्रदाय की खुशामद में छुट्टियां करने पर उतारु हो जाते हैं। होली, दिवाली, ईद, क्रिसमस वगैरह के लिए आधे दिन की छुट्टी काफी क्यों नहीं होनी चाहिए? क्या लोग को दिन भर घर में बैठकर घंटा-घड़ियाल बजाना होता है? अपने कर्तव्य-कर्म से बड़ी पूजा कोई नहीं है। इसका रहस्य हम सीखना चाहें तो अपने दुकानदारों से सीखें, जो चौबीसों घंटे अपने ग्राहकों की सेवा के लिए तैयार रहते हैं।

अपने स्वतंत्रता-दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती जैसे दिनों पर हमें एक-एक घंटा अतिरिक्त कार्य क्यों नहीं करना चाहिए? अपनी कार्यनिष्ठा इतनी गहन होनी चाहिए कि अपने घर में हर्ष या शोक की बड़ी से बड़ी घटना होने पर भी हमारा रोजमर्रा का कर्तव्य-निर्वाह किसी न किसी रुप में होता रहे। अपने छुट्टीप्रेमी भारत के किसी नेता में इतना दम नहीं है कि वह छुट्टियों के इस सरकारी ढर्रे को ढहा सके। इन छुट्टियों की छुट्टी तभी हो सकती है, जबकि कोई जबर्दस्त जन-आंदोलन चले। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

10 जनवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

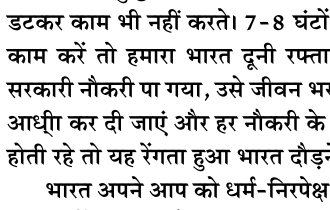

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.04 बजे से
चंद्र	मीन में	कुंभ	08.51 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मीन	10.24 बजे से
बुध	मकर में	मेष	11.54 बजे से
गुरु	कुंभ में	वृष	13.34 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.32 बजे से
शनि	मकर में	कर्क	17.46 बजे से
राहु	वृष में	सिंह	20.02 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कन्या	22.14 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		तुला	00.25 बजे से
		वृश्चिक	02.39 ब.से
		धनु	04.55 बजे से

सोमवार 2022 वर्ष का 10 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 12.25 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 08.49 बजे को समाप्त।
योग शिव 10.36 बजे को समाप्त।
करण बव 12.25 बजे तदनन्तर बालव 01.19 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 7.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 59'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871124
जूलियन दिन 2459589.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 06
विशेष शाकंभरी उत्सवारंभ, मासिक दुर्गाष्टमी, विश्व हिंदी दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संस्कृति और संस्कार के साथ खिलवाड़ उचित नहीं...

आधुनिकता की दौड़ में आज हम अपने मानवीय मूल्यों को ही बिसारते जा रहे हैं। हम यह भूल गए है कि आधुनिकता की समझ के लिए परंपरा का ज्ञान होना जरूरी है। देखा जाए तो वर्तमान दौर में या यूं कहें कि आधुनिकता की आड़ में हम अपनी परंपरा को, अपने संस्कारों को ही तिलांजलि दे रहे हैं। वर्तमान दौर में देश का युवा पढ़-लिख लेने के बाद पश्चिमी मोह-पाश में फंसकर अपने संस्कारों और संस्कृति को ही दरकिनार करना सबकुछ समझ बैठा है, जोकि कहीं न कहीं उसकी नादानी है या आयातित सोच का प्रभाव। ऐसे में एक उक्ति याद आती है कि, ठनिज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति का मूलठ जैसे कि व्यक्ति अपनी भाषा में ही उन्नति कर सकता है यह भारतेंदु हरिश्चंद्र जी का कहना है। वैसे ही हम अपना विकास अपनी संस्कृति और परंपरा का निर्वहन करके ही कर सकते हैं, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज का युवा यह भूल गया है कि मॉर्डन होने का मतलब यह कतई नहीं है कि हम अपनी संस्कृति को ही भूल जाए। ये सच है कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। परिवर्तन की प्रक्रिया परंपरा की नवीनता को जन्म देती है। लेकिन नवीनता का प्रारंभ शून्यता से तो नहीं हो सकता ना? और नवीन होने का मतलब यह भी तो कतई नहीं कि हम अपनी जड़ों को भूल जाए? कहते हैं कि जो पेड़ अपनी जड़ें छोड़ देता है, उसे गिरने में ज्यादा समय नहीं लगता। इतना ही नहीं इतिहास साक्षी है कि जब-जब इंसान अपने मानवीय मूल्यों से दूर हुआ है तब-तब उसका पतन हुआ है। इसके अलावा किसी ने सच ही कहा है कि किसी देश को यदि नष्ट करना है तो उसकी संस्कृति को नष्ट कर दो वो देश स्वत: ही समाप्त हो जाएगा और आज यही हो रहा है पर अफ़सोस की हमारी युवा पीढ़ी को यह कहाँ नजर आता है, उसने तो आधुनिकता की पट्टी आंखों मे बांध रखी है। विज्ञापनों की बाढ़ ने उसे आधुनिक होने के लिए उद्देलित कर रखा है भले ही उसके लिए चाहें संस्कृति और सभ्यता पर ही प्रश्न-चिह्न क्यों न खड़ा करना हो?

अभी हाल ही में मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले में हुई एक शादी ने मीडिया में काफी सुर्खियां बटोरी। इसकी वजह भी अजीब थी, एक आईएएस अधिकारी ने अपने विवाह में कन्यादान की रस्म को करने से मना कर दिया। तर्क दिया कि वह दान की वस्तु नहीं है। कन्यादान जैसी परंपरा को सामाजिक बुराई बताने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। एक कहावत है कि अधजल गगरी छलकत जाए। अब इसे अधूरा ज्ञान नहीं तो ओर क्या कहेंगे? जब मानव सभ्यता का आधार स्तम्भ विवाह है , जो मानव को सामाजिक स्वरूप प्रदान करता है। विवाह समाज संचालन की अहम कड़ी है। एक संस्कार है जो समाज को आगे बढ़ाता है। वहीं वेदों में कहा गया है कि विवाह दो आत्माओं का पवित्र बन्धन है। विवाह के बाद दो अलग-अलग प्राणी अपने अस्तित्व को समाप्त कर एक नए जीवन की शुरूआत करते हैं। विवाह संस्कार न होगा तो समाज में अराजकता पैदा होगी। फ़िर उसमें होने वाली रीति और नीति पर सवाल क्यों? लेकिन हमें इससे क्या हमें तो मॉर्डन बनना है। वैसे यह कोई पहली बार नहीं जब हमारी संस्कृति हमारी परम्पराओं का मजाक बनाया गया है। कुछ समय पहले ही मान्यवर कंपनी का एक विज्ञापन आया जिसमें आलिया भट्ट शादी की रस्मों पर सवाल उठाते दिखाई दी। विज्ञापन में बताया गया कि कन्या कोई दान की वस्तु नहीं। कन्यादान नहीं बल्कि कन्यामान की परंपरा की वकालत की। इसमें कोई बुराई नहीं कि कन्यादान को कन्या के मान के साथ जोड़ा जाए। पर क्या यह जरूरी है कि हमारी सांस्कृतिक विरासत के साथ खिलवाड़ किया जाए। वैसे गौर करने वाली बात यह भी है कि बॉलीवुड हो या फिर विज्ञापन जगत। सबको अपनी क्रिएटिविटी हिन्दू रीतिरिवाजों पर ही दिखानी होती है। हमेशा हिंदुओं को टारगेट किया जाता है। ऐसी सैकड़ों फिल्में बनी जिसमें मनोरंजन के नाम पर हमारी भावनाओं को आहत किया गया है। सेंसरबोर्ड तक ने कभी इन पर कैंची चलाना जरुरी नहीं समझा। यहां तक कि हमारे मीडिया ने भी इनका महिमामंडन करने का ही काम किया है।

हिन्दू विवाह में पाणिग्रहण संस्कार की बात कही गई है। अग्नि को साक्षी मानकर कन्या का पिता अपनी बेटी के गोत्र का दान करता है। जिसके बाद कन्या अपने पिता का गोत्र त्याग कर पति के गोत्र में प्रवेश करती है। यह कहीं नही कहा गया कि कन्यादान में पिता अपनी बेटी का दान करता है। दान का अर्थ होता है किसी वस्तु पर से अपना अधिकार खो देना। कन्या न कोई वस्तु है और न ही शादी के बाद कन्या का अपने परिवार से सम्बंध खत्म होता है। ऐसे में कन्यादान जैसी पवित्र रस्म को वामपंथी मूर्खता या आयातित सोच का शिकार क्यों बनाया जा रहा है? ऐसी क्या वजह है कि जो सिर्फ़ आए दिन हिन्दू धर्म पर सवाल उठाए जाते है। हमारी परम्पराओ को आधुनिकता की आड़ में नीचा दिखाने का स्वांग रचा जाता है। हिन्दू विवाह पद्धति वैदिक काल से चली आ रही है। हमारे वेद पुराणों ने पत्नी को पति के अर्धभाग की संज्ञा दी है। विवाह को शारीरिक वासना की तृप्ति नहीं बल्कि एक धार्मिक अनुष्ठान माना गया है। जहां सप्तपदी में अग्नि को साक्षी मानकर मंत्रोचार के साथ वर वधू एक दूसरे का सुख-दुःख में साथ निभाने की कसमें खाता है। वर्तमान दौर में तो यह फैशन बन गया है कि भारतीय परम्पराओ का मज़ाक बनाया जाए। हमारी संस्कृति की व्याख्या को गलत ढंग से प्रचारित प्रसारित किया जाए। फिर सवाल यही उठता है कि हिन्दू धर्म को ही क्यों निशाना बनाया जाता है? क्यों ये तथाकथित बुद्धिजीवी किसी और धर्म के खिलाफ़ आवाज नहीं उठाते। हिन्दू धर्म में शादी को 'पवित्र बंधन' कहा गया है। वही मुस्लिम समाज मे तो इसे एग्रीमेंट का नाम दिया गया है। एक मामले की सुनवाई में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भी कहा है कि, ठ मुस्लिम निकाह एक एग्रीमेंट है, जिसके कई मतलब हैं, यह हिंदू विवाह की तरह कोई संस्कार नहीं और इसके टूटने से पैदा होने वाले कुछ अधिकारों और जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटा जा सकता। फिर भी इस कांट्रेक्ट मैरिज पर कोई सवाल नहीं। जिसमें मेहर अहम होता है। जिस तरह से वस्तु के विक्रय का मूल्य निर्धारित किया जाता है उसी तरह मुस्लिम विवाह में भी मेहर निर्धारित की जाता है। यहां तक कि तलाक का अधिकार तक पुरुषों को ही सिर्फ़ दिया जाता है। पर इसमें वर्तमान समाज को कहाँ बुराई नज़र आना है। ऐसे में समाज का दोहरा रवैया साफ दिखाई देता है। हिंदुओं को ही हमेशा टारगेट किया जाता है। अब यह हमारी उदारता कहे या कमजोरी, लेकिन जब अपने ही किसी जड़ को खोदने में लग जाएं, फ़िर चिंतन और मनन तो होना चाहिए।

वैसे भारत को अपनी पुरातन संस्कृति के कारण ही विश्वगुरु का गौरव प्राप्त हुआ है। एक तरफ हमारे देश के युवा पश्चिम संस्कृति की ओर रुख कर रहे है और उनका अपनी संस्कृति से मोह भंग हो रहा है तो वही दूसरी तरफ विश्व के अन्य देश बड़ी संख्या में भारतीय संस्कृति को अपना रहे हैं। आज यूरोपीय राष्ट्र और अमेरिका में योग,आयुर्वेद,शाकाहार, प्राकृतिक चिकित्सा का चलन बढ़ रहा है। हम अपनी जड़ी बूटियों को भूल रहे है जबकि अमेरिका जैसे देश उसे पेटेंट करवा रहे है। पाश्चात्य संस्कृति के लोग भारत आकर संस्कार और मंत्रोच्चार से विवाह बंधन में बंध रहे है। लेकिन हमारी युवा पीढ़ी है जो उन्हीं संस्कारो को दकियानूसी बताकर खिलवाड़ करती है। हमारे संविधान का आर्टिकल 51(सी) वैज्ञानिक सोच की वकालत करता है। लेकिन विवाह जैसे बंधन का विरोध करना कौन सा वैज्ञानिक सिद्धांत है। हम वसुधैव कुटुम्बकम की परंपरा को मानने वाले लोग है। जहाँ सभी धर्म का उनकी परम्पराओं का सम्मान करने की बात कही जाती है और हमारा संविधान भी धार्मिक स्वतंत्रता की पैरवी करता है। फिर किसी धर्म विशेष पर सवाल उठाकर आधुनिकता का ढोंग रचना गलत है और यह विज्ञापन से लेकर हर जगह से बंद होना चाहिए और इन पहलुओं पर चिंतन करने की जरूरत तो तब ज्यादा है, जब अपने ही आधुनिकता या आयातित सोच से अगर उसपर सवाल उठाने लगे! (लेखिका- सोनम लववंशी / ईएमएस)

आज का इतिहास 10 जनवरी

1616 ब्रिटिश राजदूत सर थामस रो ने अजमेर में जहांगीर के दरबार में अपना परिचय पत्र पेश किया.
1693 कलकत्ता के संस्थापक जाब चार्नाका का निधन.
1815 ब्रिटेन ने श्रीलंका में कैंडी के खिलाफ जंग का ऐलान किया.
1818 अंग्रेजों और मराठों के बीच तीसरा और अंतिम युद्ध हुआ था.
1919 ब्रिटिश सेना ने बगदाद रेलवे का प्रशासन अपने हाथ में ले लिया.
1920 लीग ऑफ नेशंस अस्तित्व में आया.
1942 जापानियों का द्वितीय विश्व युद्ध में डच इस्ट इंडीज पर हमला.
1959 जर्मन शांति समझौते के प्रारूप पर सोवियत संघ ने सम्मेलन का प्रस्ताव किया.
1963 भारत सरकार की स्वर्ण नियंत्रण लागू हुई.
1969 स्वीडन ने उत्तर वियतनाम से राजनयिक संबंध स्थापित करने की घोषणा की.
1977 अंतरिक्ष केंद्र से जुड़ने के लिए सोवियत संघ ने दो अंतरिक्ष यात्री भेजे.
1990 चीन ने बीजिंग में सात माह में लगा मार्शल लॉ उठा लिया.
1991 मद्रास में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह संपन्न.
1991 राष्ट्रसंघ महासचिव जेवियर पेरेज डी क्वेया खाड़ी संकट हल करने बगदाद गए.
1992 बेंगलोर में 23वाँ अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह संपन्न.
1995 मिस्र की एक सैनिक अदालत ने नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार नजीब महफूज को छुरा मारने के आरोप में दो कट्टरपंथियों को मौत की सजा.
2000 भारत ने अमेरिका से आयात की जानेवाली 1300 वस्तुओं पर से प्रतिबंध हटाया.
2002 अमेरिका राष्ट्रपति जार्ज बुश ने लालकृष्ण अडवाणी से कहा कि पाकिस्तान अपनी आतंकवादी नीति को छोड़ेगा अन्यथा भारत उससे राजनयिक रिश्ते तोड़ देगा.
2003 विश्वकप टीम के सभी 15 भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों के आई.सी.सी. करार पर हस्ताक्षर.
2005 सुप्रीम कोर्ट ने शंकराचार्य को जमानत दी.

क्या चुनाव के कारण भारत में आयी तीसरी लहर

कोरोना भारत को धीरे-धीरे फिर मौत के मूँह में धकेल रहा है। ओमिक्रोन और डेल्टा वेरिएंट के मिश्रण से भारत तीसरी लहर की चपेट में आचुका है। बड़े शहरों के साथ अब छोटे शहारों में भी कोरोना संक्रमण ने तेज रफतार पकड़ ली है। इटली से भारत तक एवं विश्व के अन्य देशों में कोरोना के बढ़ते मामलों ने सभी के चेहरों पर चिंता की लकीरें खींच दीं हैं, क्योंकि कोरोना की पहली और दूसरी लहर में जन-तबाही देखी है। पिछले सप्ताह से भारत में कोरोना संकट तेजी से बढ़ने लगा है। संक्रमण इतनी तेजी से पैर पसार रहा है कि दिल्ली सरकार ने शनिवार और रविवार को वीकेंड कर्फ्यू लगाने का ऐलान किया है एवं देश के अधिकतर राज्यों ने नाईट कर्फ्यू लगा दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं।

भारत में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर को देखते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री शेखर यादव ने केंद्र सरकार से अपील की थी कि वह इन चुनावों को कुछ समय के लिए आगे बढ़ाने के बारे में विचार करें। परंतु न्यायालय की इस अपील को राजनैतिक रंग दिया गया, इसे जबर्दस्ती राजनीतिक विषयों में न्यायालय का हस्तक्षेप भी कहा जा जा रहा है, लेकिन आम जनता की जीवन रक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़ा मामला होने के कारण से न्यायालय का दखल अनुचित भी नहीं कहा जा सकता।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। अब लोकतंत्र है, तो चुनाव होना स्वभाविक है। भारत में तो हर साल किसी न किसी राज्य में चुनाव होते हैं। बीते वर्ष बिहार-बंगाल में ही हुए थे, वहां भी खूब रैलियां हुईं, लेकिन मजाल कि कोरोना फैला हो। अब बिहार में नहीं फैला, तो इन पांच चुनावी राज्यों में क्यों फैलेगा। ऐसा लगता है कि भारत में आकर कोरोना भी लोकतंत्र का पक्षधर बन जाता हो। तभी तो चुनावी रैलियों से दूरी बनाकर रखता है। कोरोना भी चुनाव आयोग की तरह ही किसी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं करता है। वो किसी भी राजनीतिक पार्टी की रैली में नहीं जाता है। हां, किसान आंदोलन हो, होली हो, कुंभ हो, तो बात अलग है। वहां कोई रोक-टोक नहीं है, तो कोरोना आसानी से जा सकता है।

यह निश्चित है कि राज्यों में चुनाव कराने का निर्णय सिर्फ निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में ही आता है और आयोग ही तय करता है कि किसी भी विधानसभा का कार्यकाल पूर्ण होंने से पूर्व चुनाव किस समय कराये जाने चाहिए, जिससे नई विधानसभा का गठन तय समय से हो सके। परंतु चुनाव आयोग को आम जनता के हित को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन कराने का निर्णय लेना चाहिए क्योंकि चुनावी रैलियों में हजारों की भीड़ से कोरोना की तीसरी लहर को फैलने में जो गति प्राप्त होगी वह बेहद चिंताजनक परिणाम दिखा सकती है। कोरोना संक्रमण का डर इन रैलियों और रोड शो में हजारों-लाखों की संख्या में आने वाले लोगों के न दिल में आ रहा है और न समझ में। यह बात कोरोना को भी अंदर ही अंदर खाए जा रही है. मतलब, बेचारे कोरोना ने एक साल में जितना भौकाल बनाया, ई ससुरे मिलके सब मिट्टी पलीद किए दे रहे हैं। कौनो डर ही नही रह गया है। वैसे, इतनी भारी भीड़ देखकर कोरोना भी दहशत में आ ही जाता होगा। रैली में पहुंचने के बाद भीड़ में से किसी ने कोरोना को देख लिया, तो लोगों में भगदड़ मच सकती है। भगदड़ के बाद कितने पैरों के नीचे कुचला जाएगा, इसका हिसाब कौन रखता है।

उत्तर प्रदेश में? इस वक्त सपा की परिवर्तन यात्रा और भाजपा की जनविश्वास यात्राओं के अलावा भारी भीड़ वाली रैलियां लगातार हो रहीं हैं। इन रैलियों में खूब भीड़ हो रहीं है। कांग्रेस ने भी रैलियों और में जन समर्थन जुटाने की गर्ज से मैराथन दौड़ का आयोजन किया। लेकिन जैसे ही ओमिक्रोन संक्रमण तेज हुआ, एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाते हुए और पिछले साल पश्चिम बंगाल चुनावों से सबक लेते हुए कांग्रेस ने अपनी चुनावी रैलियों को रद्द कर दिया है। अब बारी सत्ताधारी भाजपा और सपा की हैं।

कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए एक ओर सरकार आम जनता से अपील करती है कि जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं, वहीं दूसरी ओर सत्तारुढ़ पार्टियाँ रैलियों के लिए भीड़ एकत्रित कर रहीं हैं। अब जनता को स्वयं निर्णय लेना होगा कि उनके हित में क्या है? हॉलांकि अब ऐसा लग रहा है कि जनता भी सरकार की इस अपील पर कोई खास ध्यान नहीं दे रही है। क्योंकि समाज का हर व्यक्ति भीड़ से परहेज नहीं, बल्कि उसका हिस्सा बनने की अग्रसर हो रहा है। भौतिक दूरी और चेहरे पर मास्क लगाने की भी जरूरत नहीं समझी जा रही। हम नियमों की अवहेलना ही करने की ओर प्रवृत्त होते जा रहे हैं। यही सब कारण हैं कि हम समाधान के बजाय खुद ही समस्या बनते जा रहे हैं। इसीलिए सबके हित में यही है कि स्वयं की सुरक्षा करें और तीसरी लहर पर विजय प्राप्त करें। (लेखक- नितिन बाघमारे / ईएमएस)

वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के आयोजन स्थलों को घटा सकता है बीसीसीआई

मुम्बई (ईएमएस)। देशभर में कोरोना संक्रमण के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला के आयोजन स्थलों की संख्या को घटाने पर विचार कर रहा है। बीसीसीआई ने हालांकि अभी तक इस मामले में किसी प्रकार का फैसला नहीं किया है। मेहमान टीम वेस्टइंडीज अगले माह फरवरी में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए भारत आयेगी। इंडीज टीम सबसे पहले एकदिवसीय सीरीज खेलेगी और इसका पहला मैच इसका आगाज छह फरवरी को अहमदाबाद में खेला जाएगा।

वहीं बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, '' अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है। कोरोना संक्रमण के हालात लगातार बदल रहे हैं। इसी को देखते हुए हम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। समय आने पर हम आयोजन स्थलों को लेकर फैसला लेंगे।'' अहमदाबाद के अलावा, जयपुर में नौ फरवरी, कोलकाता में 12 फरवरी, कटक में 15 फरवरी, विशाखापत्तनम में 18 फरवरी और तिरुवनंतपुरम में 20 फरवरी को मैच होने हैं पर कोरोना संक्रमण को देखते हुए आयोजन स्थलों को कम किया जाएगा जिससे टीमों को कम यात्रा करनी पड़े। संक्रमण के हालातों को देखते हुए बोर्ड तीन स्थ्लों पर छह मैचों का आयोजन कर सकता है। वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार वेस्टइंडीज की टीम को एक फरवरी को अहमदाबाद में आने के बाद तीन दिनों तक पृथकवास में रहना होगा है। इसके बाद टीम को जांच से गुजरना होगा। उसमें निगेटिव पाये जाने वाले खिलाड़ी ही मैच में उतर सकेंगे।

शब्द पहेली - 7163

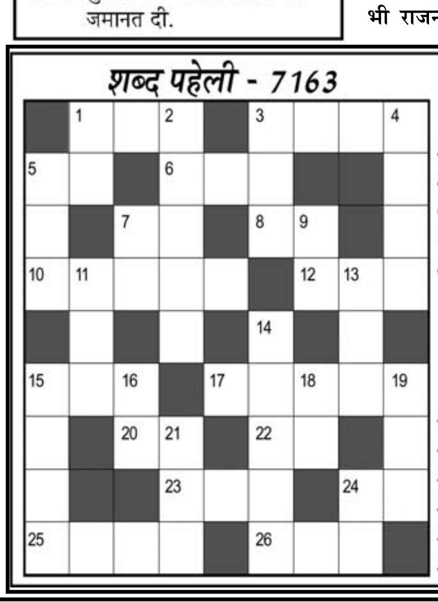

बाएँ से दाएँ

1.ईश वंदना-3
3.हाथ की तीसरी अंगुली-4
5.आगमन-2
6.स्वादिष्ट-3
7.हरसिंगार,पारिजात-2
8.क्रिकेट में बनते हैं-2
10.खौलना,उबलना-5
12.धनवान-3
15.खोदना-3
17.चुनाव,चयन-5
20.नसीब(अंग्रेजी-2)
22.कलर-2
23.रक्षक,संकटमोचक-3
24.कार्य,काज-2
25.सुंघनी,नस-4
26.पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1.रुपए का सोलहवां भाग-2
2.कुलबुलाना,तड़पना-5
3.जो कभी बूढ़ा न हो-3
4.बंदूक की गोली-4
5.अभिलेख,लेख-3
7.रात,रात्रि (उर्दू-2)
9.मादा का विलोम-2
11.धुन,लगाव-3
13.चरित्र,नीयत-3
14.तफरीह-5
15.अनाज रखने की जगह-4
16.टोंटी,नलका-2
18.बहुमूल्य रत्न-2
19.अनाथ,बेसहारा-3
21.डोली उठाने वाले-3
24.सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -7162 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

इंग्लैंड टीम कोरोना संक्रमित होने के कारण इंडिया ओपन बैडमिंटन से हटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना संक्रमण के कारण इंग्लैंड की टीम 11 जनवरी से शुरु हो रहे इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से हट गयी है। टीम के युगल खिलाड़ी सीन वेंडी और कोच नाथन रॉबर्टसन कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाये गये थे। इसके बाद टीम ने इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। वेंडी के पुरुष युगल जोड़ीदार बेन लेन ने भी टूर्नामेंट से हटने की बात ट्विटर पर मानी है। पुरुष युगल प्रतियोगिता में वेंडी और लेन को चौथी वरीयता मिली थी।

लेन ने लिखा, '' वेंडी और हमारे कोच नाथन रॉबर्टसन के कोविड-19 से संक्रमित होने के कारण इस बार मैं इंडिया ओपन का हिस्सा नहीं हूं।'' वहीं भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने भी कहा है कि इंग्लैंड टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। बीएआई ने ट्वीट किया, '' इंग्लैंड की पूरी टीम दो दिन पहले ही टूर्नामेंट से हट गयी थी और अब वे भारत में नहीं है। साथ ही कहा कि योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2022 अपने तय कार्यक्रम के मुताबिक आगे बढ़ रहा है और प्रोटोकॉल के अनुसार आज सुबह होटल में परीक्षण किए गए सभी खिलाड़ियों के नतीजे नेगेटिव आए हैं।'' गौरतलब है कि बीएआई द्वारा आयोजित चार लाख डॉलर इनामी इस सुपर 500 स्पर्धा से ही 2022 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सत्र की शुरुआत होगी।

लैथम के नाबाद शतक से न्यूजीलैंड ने बनाये एक विकेट पर 349 रन

क्राइस्टचर्च (ईएमएस)। कप्तान टॉम लैथम के नाबाद शतक 186 और ड्वेन कॉनवे के नाबाद अर्धशतक 99 रनों की सहायता से मेजबान न्यूजीलैंड ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 349 रन बना लिए थे। इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीत कर मेजबान टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। उसका यह फैसला सही नहीं रहा और किवी बल्लेबाजों ने जमकर रन बनाये। लैथम और कॉनवे के सामने मेहमान टीम के गेंदबाज बेबस नजर आये। दिन में आउट होने वाले एकमात्र बल्लेबाज विल यंग रहे। यंग ने आउट होने से पहले 54 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी।

न्यूजीलैंड की शुरूआत अच्छी रही। लॉथम और यंग ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए 38 ओवरों में ही 148 रन बना दिये। यंग के आउट होने के बाद लॉथम ने कॉनवे के साथ पारी आगे बढ़ायी। कॉनवे आज अच्छी लय में थे और उन्होंने बांग्लादेशी गेंदबाजों को जमकर पीटा। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 10 चौके और एक छक्का लगाया। दूसरी ओर मेहमान बांग्लादेश की ओर से एकमात्र विकेट शोरीफुल इस्लाम ने लिया। वहीं पहले टेस्ट में शानदार गेंदबाजी करने वाले इबाद्दत हुसैन लय में नहीं दिखे और उन्होंने ने 21 ओवर में ही सबसे ज्यादा 114 रन लुटा दिये। महंसी हसन ने 25 ओवरों में 95, तस्कीन अहमद ने 22 ओवर में 68 रन दिए।

निचले क्रम के बल्लेबाजों ने इंग्लैंड को हार से बचाया , एशेज का चौथा टेस्ट ड्रॉ

सिडनी (ईएमएस)। इंग्लैंड के निचले क्रम के बल्लेबाजों जैक लीच, स्टुअर्ट ब्रॉड व जेम्स एंडरसन ने अंतिम दस ओवरों में संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए एशेज क्रिकेट सीरीज के चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच को ड्रॉ कराने के साथ ही अपनी टीम को हार से बचा लिया। मैच के अंतिम दिन जीत के लिए मिले 388 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में 102 ओवर में नौ विकेट पर 270 रन बनाये। मेहमान टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अंतिम दस ओवरों में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का डटकर सामना किया और उनकी जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। लीच के 26 रनों पर आउट होने के बाद ब्रॉड और एंडरसन ने बेहद दबाव के बीच भी अंतिम दो ओवर बल्लेबाजी की। ब्रॉड ने नाबाद आठ रन बनाये जबकि एंडरसन अपना खाता नहीं खोल पाये पर उन्होंने अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से निभाई और अंत तक मैदान में टिके रहे।

वहीं मेजबान कंगारुओं की ओर से स्कॉट बोलैंड ने तीन विकेट, कप्तान पैट कमिंस ने दो विकेट लिए जबकि स्पिनर नाथन लियोन ने भी दो विकेट लेकर अपनी टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया था पर ब्रॉड व एंडरसन के विकेट वे नहीं ले पाये। मैच समाप्त होने के दो ओवर पहले स्टीव स्मिथ ने लीच को पेवेलियन भेजकर अपनी टीम की जीत तकरीबन तय कर दी थी पर टीम अंतिम ओवरों में विकेट नहीं ले पायी और जीत उसके हाथ से फिसल गयी। ब्रॉड और एंडरसन ने खराब रोशनी के बीच भी बल्लेबाजी कर अपनी टीम की हार टाल दी।

मैच ड्रॉ होने के साथ ही इंग्लैंड की टीम ने लगातार तीन हार के सिलसिले को तोड़ा है। अंतिम घंटे से पहले कमिंस ने तीन गेंद के अंदर ही जोस बटलर को 11 और मार्क वुड को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेजकर इंग्लैंड को करार झटका दिया था। इस प्रकार मेहमान टीम का स्कोर 85 ओवर में सात विकेट पर 218 रन पहुंच गया।

बोलैंड ने पहली पारी में शतक लगाने वाले जॉनी बेयरस्टो को 41 रनों पर आउट कर एक अहम विकेट लिया। यह बोलैंड का दूसरे टेस्ट में 14वां विकेट था। ब्रॉड और लीच ने इसके बाद आठ से अधिक ओवर तक ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का साहस के साथ सामना किया। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम तीन ओवर में स्पिनरों लियोन और स्मिथ को भी लगाया। स्मिथ ने लीच को वार्नर के हाथों कैच कराया लेकिन ब्रॉड और एंडरसन ने अंतिम दो ओवर खेलकर मैच ड्रॉ करा दिया।

इससे पहले स्टोक्स ने चोटिल होने के बाद भी 60 रन की पारी खेली। लियोन ने स्टोक्स को स्मिथ के हाथों कैच कराया। अंतिम घंटे से पहले कमिंस ने बटलर और वुड को पगबाधा किया।

सुबह इंग्लैंड की टीम चौथे दिन के बिना किसी नुकसान के 30 रनों से आगे बल्लेबाजी के लिए उतरी पर सुबह के सत्र में ही टीम ने सलामी बल्लेबाज हसीब हमीद 09 और डेविड मलान 04 के विकेट खो दिए। कमिंस की गेंद पर हमीद को विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने कैच किया। वहीं लियोन ने अपने तीसरे ही ओवर में मलान को बोल्ड करके इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर 74 रन किया। सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली ने आक्रामक बल्लेबाज करते हुए अर्धशतक लगाया। क्राउली ने सबसे ज्यादा 77 रन बनाये जबकि कप्तान जो रूट ने 24 रन बनाये। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में आठ विकेट पर 416 रन जबकि दूसरी पारी में छह विकेट पर 265 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। वहीं इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 294 और दूसरी पारी पारी में नौ विकेट पर 270 रन बनाये थे।

बार्टी ने एडीलेड इंटरनेशल टेनिस टूर्नामेंट जीता

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरी बार एडीलेड इंटरनेशल टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीता है। बार्टी ने एलेना रेबाकिना को सीधे सेट में आसानी से 6-3, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ ही बार्टी का 2021 की शुरुआत से ही शीर्ष 20 में शामिल खिलाड़ियों के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 17-1 पहुंच गया है। बार्टी ने इससे पहले डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में 14वीं खिताबी जीत के दौरान कोको गॉफ, सोफिया केनिन और इगा स्वियाटेक जैसी स्टार खिलाड़ियों को भी हराया था। बार्टी को अगले सप्ताह ही सिडनी टेनिस क्लासिक में खेलना है जिसके बाद 17 जनवरी से आस्ट्रेलियाई ओपन खेला जाएगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में ही अमरीका की अमांडा अनिसिमोवा ने बेलारूस की एलियाकसांद्रा सासनोविच को तीन सेट में 7-5, 1-6, 6-4 से हराकर दूसरी बार कोई डब्ल्यूटीए खिताब अपने नाम किया है।

ब्रूक्स की शानदार बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज ने पहले एकदिवसीय में आयरलैंड को हराया

सबीना पार्क (ईएमएस)। शामराह ब्रूक्स की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने यहां खेले गये पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में आयरलैंड को 24 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही तीन मैचों की सीरीज में वेस्टइंडीज टीम 1-0 से आगे हो गयी है। मेजबान वेस्टइंडीज ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.5 ओवर में 269 बनाये। इस प्रकार आयरलैंड को जीत के लिए 270 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड टीम 49.1 ओवर में 245 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से अलजारी जोसेफ और रोमारियो शेफर्ड ने तीन-तीन विकेट लिए।

इस मैच के नायक रहे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज ब्रूक्स ने 89 गेंदों पर सबसे ज्यादा 93 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और तीन छक्के भी शामिल थे। ब्रूक्स को टीम की जीत में अहम भूमिका के लिए मैन ऑफ द मैच का इनाम भी मिला। वहीं कीरोन पोलार्ड ने 66 गेंद पर 69 रन बनाए जिसमें उनके चार चौके और छह छक्के शामिल थे। वेस्टइंडीज की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसेन 69 रनों के अंदर ही चार विकेट खो दिए थे पर इसके बाद ब्रूक्स और कप्तान पोलार्ड ने 155 रनों की अच्छी साझेदारी कर पारी को संभाला। कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की शुरुआत बेहद अच्छी रही। उसने 36 ओवर में ही एक विकेट पर 165 रन बना लिए थे पर इस जोड़ी के टूटने के बाद उसकी टी ढ़ह गयी। कप्तान एंड्रयू बालबर्नी ने सबसे अधिक 71 रन बनाए जबकि हेरी टेक्टर ने 53 रन की पारी खेली। वहीं एंडी मैकब्राइन 34 रन की पारी खेलकर रिटायर्ड हर्ट हो गए।

वृहद आंकड़ों और आईटी कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे बाजारों की दिशा

नई दिल्ली (ईएमएस)। वृहद आर्थिक आंकड़े, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सहित सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की कई कंपनियों के तिमाही प?रिणाम से इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। नए वर्ष 2022 की शुरुआत शेयर बाजारों के लिए काफी अच्छी रही है। इस बीच बाजार भागीदारों की नजरें घरेलू के अलावा वैश्विक मोर्चे पर कोरोना से जुड़ी खबरों पर रहेगी। ??विश्लेषकों का कहना है ?कि आईटी क्षेत्र की कई बड़ी कंपनियां मसलन इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो, एचसीएल टेक और माइंडट्री इस सप्ताह अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का भी तिमाही परिणाम आना है। साथ ही बाजार भागीदारों की नजरें औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी), खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) और थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़ों पर भी रहेगी। कुल मिलाकर बाजार पर वैश्विक संकेतकों तथा कोविड-19 से जुड़ी खबरों का भी असर पड़ेगा। आईटी कंपनियों के तिमाही नतीजे बाजार को दिशा देंगे। बाजार भागीदार उम्मीद कर रहे हैं कि आईटी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों के परिणाम उत्साह बढ़ाने वाले होंगे। अभी तक बाजार ने कोविड के नए स्वरूप ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों को नजरअंदाज किया है, लेकिन कई राज्यों द्वारा कड़े अंकुशों की वजह से आगे बाजार की धारणा प्रभावित हो सकती है। आईटी कंपनियों के परिणामों, आईआईपी, सीपीआई और डब्ल्यूपीआई आंकड़ों की वजह से बाजार के लिए यह सप्ताह काफी व्यस्त रहने वाला है। आईआईपी और सीपीआई के आंकड़े 12 जनवरी को और डब्ल्यूपीआई के 14 जनवरी को आएंगे।

बाजार के जानकारों ने कहा ?कि दुनियाभर में कोविड के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन अस्पताल में भर्ती होने वालों मरीजों की संख्या और मृत्यु दर काफी कम है, जिसकी वजह से बाजार ने इसे नजरअंदाज किया है। हालांकि बाजार की निगाह महामारी की तीसरी लहर पर बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे की बात की जाए, तो कच्चे तेल के बढ़ते दाम चिंता का विषय हैं। इसके अलावा चीन के मुद्रास्फीति और अमेरिका के खुदरा बिक्री के आंकड़े भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे। वृहद आर्थिक मोर्चे पर निवेशकों की निगाह घरेलू के अलावा अमेरिका और चीन के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगी। सप्ताह के दौरान कई महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक आंकड़े आने हैं। सप्ताह के दौरान दिसंबर के मुद्रास्फीति तथा नवंबर के आईआईपी आंकड़े आएंगे। इसके साथ ही निवेशकों की निगाह विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश के रुख और रुपए के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी।

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में कोविड से 24 घंटे में सर्वाधिक मौतें

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में कोरोना संक्रमण के कारण 16 और लोगों की मौत हो गई, जो इस बीमारी के कारण राज्य में सर्वाधिक दैनिक मृतक संख्या है। न्यू साउथ वेल्स हेल्थ ने इसकी जानकारी दी। ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में संक्रमण के 30,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। राज्य में इससे पहले संक्रमण के कारण सर्वाधिक दैनिक मृतक संख्या 15 थी।

राज्य में पिछले साल 29 सितंबर और एक अक्टूबर को एक दिन में 15 लोगों की मौत वायरस के कारण हुई थी। 'न्यू साउथ वेल्स हेल्थ ने बताया कि राज्य में 1,927 लोग अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें से 151 लोग गहन चिकित्सा इकाई में हैं। इसके अलावा दो लाख से अधिक लोग घर में पृथक-वास में रह रहे हैं। इसके अलावा, विक्टोरिया में रविवार को 44,155 नए मामले पाए गए। स्वास्थ्य प्राधिकारियों द्वारा की गई जांच में पता चला है कि नए मामलों में से 80 प्रतिशत मामले ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के हैं। विक्टोरिया में रविवार को संक्रमण से आठ लोगों की मौत हुई।

चमगादड़ों की वजह से अमेरिका में 5 मौतें, सीडीसी ने दी खतरनाक चेतावनी

वाशिंगटन (ईएमएस)। दो सालों के बाद अमेरिका में पिछले साल चमगादड़ों की वजह से पांच लोगों की मौत हो गई।इसकारण वहां की प्रमुख चिकित्सा संस्थान सीडीसी ने चेतावनी जारी की है। ये मौतें हुई थीं रैबीज की वजह से हुई थी। जबकि अमेरिका में रैबीज बीमारी पूरी तरह से खत्म हो चुकी है।यहां साल में 2 या 3 मामले ही सामने आते हैं।लेकिन मौतें नहीं होतीं।

सेंटर्स फॉर डिजीस कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के नई रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल जिन पांच लोगों की मौत रैबीज से हुई।उनमें से तीन की मौत पांच हफ्तों के अंदर हुई थी। जबकि इसके पहले दो सालों तक रैबीज का एक भी केस सामने नहीं आया था।सीडीसी के मुताबिक पिछले एक दशक में की तुलना में पिछले साल रैबीज से मौतों के सबसे ज्यादा मामले सामने आए थे।पांच हफ्तों के अंदर मारे गए तीन लोगों में से एक बच्चा भी था। जो चमगादड़ों से संक्रमित हुए थे। इनकी मौतें 28 सितंबर से 3 नवंबर के बीच हुई थी। सीडीसी के अनुसार इन तीनों लोगों में संक्रमण के बाद या पहले लगने वाली वैक्सीन के बाद दिखने वाले पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफाइलेक्सिस के लक्षण भी नहीं दिखाई दिए थे। लेकिन पिछले साल हुई मौतों के बाद सीडीसी ने पूरे देश के लिए चेतावनी और जागरूकता के लिए सूचनाएं जारी की।रैबीज सिर्फ कुत्तों से ही नहीं फैलता, इसके लिए चमगादड़ भी जिम्मेदार हो सकते हैं। रैबीज फैलाने वाले चमगागड़ों को रैबिड बैट्स कहते हैं। सीडीसी के मुताबिक साल 2007 से चमगादड़ों की वजह से रैबीज के मामले कम थे। 2019 और 2020 में एक भी मामला सामने नहीं आया था। लेकिन पिछले साल पांच मौतों ने सीडीसी के होश उड़ा दिए। सीडीसी का मानना है कि रैबीज को लेकर लोगों में जागरुकता की कमी की वजह से ऐसा हो रहा है।रैबीज एक ऐसा वायरस की वजह से होता है, जो आपके नर्वस सिस्टम पर असर डालता है।यह रैबिड जानवरों के काटने या खरोंचने की वजह से फैलता है।रैबीज फैलाने वाले जानवरों में कुत्ते, लोमड़ियां, चमगादड़, रकून, स्कंक शामिल हैं।दुनियाभर में आमतौर पर रैबीज कुत्तों के काटने की वजह से होता है। अमेरिका में हर साल 60 हजार लोगों को रैबीज का वैक्सीन दिया जाता है, ताकि वहां इस बीमारी से संक्रमित न हो या उनकी मौत न हो।

अमेरिका में रैबीज के जो भी मामले आते हैं,उसमें से 70 फीसदी चमगादड़ों की वजह से हुए संक्रमण से होते हैं। आमतौर पर उन्हीं लोगों को चमगादड़ों की वजह से रैबीज होता है, जो बिना किसी दस्ताने या खुले हाथों से चमगादड़ को उठा लेते हैं।ये लोग चमगादड़ों के सीडीसी के पास कई बार जांच के लिए भेजते हैं, कई बार नहीं भेजते हैं। अगर सभी लोग यह काम करें तो हम रैबीज को फैलने से रोक सकते हैं। यहां तक कि जो लेकर आएं हैं उनकी और उनके परिवार और आसपास के लोगों के जांच कर सकते हैं।या फिर उन्हें वैक्सीन दे सकते हैं।

झील में बोटिंग दौरान नाव पर गिरी चट्टान, 7 लोगों की मौत व 20 लापता

ब्रासीलिया (ईएमएस)। ब्राजील की झील में चट्टान का एक हिस्सा टूटकर नौकाओं पर गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। राज्य दमकल विभाग के कमांडर एड्गार्ड एस्तेवो ने बताया कि हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 अन्य लोगों के लापता होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि कम से कम 32 लोग घायल हुए हैं, जियमें अधिकतर लोगों को शनिवार शाम को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। घटना के वीडियो में दिख रहा है, कि फर्नास लेक पर लोग नौका सवारी का आनंद ले रहे थे, तभी चट्टान का एक हिस्सा टूटकर नौकाओं के ऊपर गिर गया। एस्तेवो ने बताया कि यह हादसा साओ जोस डा बारा और कैपिटलियो कस्बों के बीच हुआ।

राजकुमारी बस्मा और उनकी बेटी की हुई रिहाई

रियाद (ईएमएस)। सऊदी अरब में एक राजकुमारी और उनकी बेटी को रिहा किया गया है, जिन्हें करीब तीन साल से बिना किसी आरोप के कैद में रखा गया था।मानवाधिकारों की मुखरता के साथ वकालत करने वाली और शाही परिवार की सदस्य राजकुमारी बस्मा बिंत सऊद बिन अब्दुल्लाजीज अल-सऊद (57) मार्च 2019 में अपनी वयस्क बेटी सऊहूद अल-शरीफ के साथ लापता हो गई थीं।

उनके कानूनी सलाहकार ने बताया कि दोनों को मनमानी कैद से रिहा कर दिया गया है। छह जनवरी को वह जेद्दाह में स्थित अपने घर पहुंच गई थीं। राजकुमारी ठीक हैं, लेकिन उन्हें चिकित्सकों की मदद लेनी होगी। मामले में सार्वजनिक रूप से कभी टिप्पणी न करने वाली सऊदी सरकार की ओर से अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

साल 2020 में राजकुमारी बस्माह की सोशल मीडिया पर पोस्ट सामने आई थी।पोस्ट में उन्होंने बताया था कि मुझे राजधानी रियाद में एक साल से अधिक समय से कैद करके रखा गया है और मेरी तबीयत खराब है। उन्होंने वर्तमान शासक और अपने भतीजे क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से रिहा करने की और चिकित्सकीय देखभाल उपलब्ध कराने की मांग की थी।

उन्होंने दावा किया था कि मुझे बिना किसी आरोप के अल-हायर जेल में रखा गया है, जहां कई अन्य राजनीतिक कैदी भी कैद रखे गए हैं। मुझे या मेरी बेटी को गिरफ्तारी के बारे में कोई कारण, स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। राजकुमारी बस्माह किंग सऊद (दिवंगत) की सबसे छोटी संतान हैं। जानकारी के अनुसार गिरफ्तारी के समय उन्हें इलाज के लिए विदेश जाना था।

फ्रांसीसी द्वीप बनेगा दुनिया का डिजिटल अड्डा

पेरिस (ईएमएस)। हिंद महासागर में फ्रांस सरकार के अधीन रीयूनियन द्वीप को दुनिया का एक बड़ा डिजिटल केंद्र बनाने की तैयारी में है।ये दुनिया का छठा डिजिटल सेंटर होगा। डिजिटल कंपनियों के समूह का दावा है कि स्थानीय बेरोजगारी कम होगी। फ्रांस का रियूनियन द्वीप, हिंद महासागर में अपने स्वर्गिक तटों और हरे-भरे लैंडस्केपों के लिए विख्यात है।द्वीप का करीब 42 फीसदी हिस्सा यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों में शामिल है। लेकिन ये द्वीप जल्द ही किसी और चीज के लिए प्रसिद्धि हासिल कर लेगा। डिजिटल कंपनियों के अंतरराष्ट्रीय समूह की योजना इस द्वीप को दुनिया का एक बड़ा डिजिटल केंद्र बनाने की है।पहला चरण 2021 के वसंत में पूरा हुआ था।इसके तहत द्वीप को एक सुपर-फास्ट इंटरनेट केबल के जरिए मेडागास्कर, मॉरीशस और साउथ अफ्रीका से जोड़ा गया था। 24 टेराबाइट क्षमता वाली ये केबल, रियूनियन द्वीप में मौजूदा इंटरनेट कनेक्शनों से 24 गुना ज्यादा तेज है। रियूनियन स्थित समूह ओसइंडे के सीईओ नासिर गाउलामाले ने बताया कि ठरियूनियन द्वीप का इंटरनेट, देश का दूसरा सबसे तेज रफ्तार वाला इंटरनेट है, करीब-करीब राजधानी पेरिस जितना द्रुत है।फ्रांस के अपने व्यापारिक सहयोगियों केनाल प्लस और एसएफआर, मॉरीशस के अपने सहयोगियों सीईबी फाइबरनेट और एमटेल और मेडागास्कर की टेल्मा कंपनी के साथ मिलकर मेटिस्स नाम के नये केबल में पांच करोड़ यूरो (57 मिलियन डॉलर) का निवेश किया है।

इन कंपनियों का ये समूह, रियूनियन द्वीप से भारत को जोड़ने के लिए एक-दूसरे केबल पर 12 करोड़ खर्च करने की योजना बना रहा है।इसके अलावा, द्वीप में बहुत सारे विशाल डाटा सेंटर बनाए जाएंगे।हम कंपनियों को एक अरब यूरो तक का खर्च करने के लिए तैयार कर रहे हैं और बहुत सारे इच्छुक निवेशकों से हमारी बातचीत चल रही है।हिंद महासागर के बीचो बीच यूरोप की मौजूदगी गाउलामाले का कहना है कि अपने डाटा हब यानी डाटा केंद्र के रूप में रियूनियन द्वीप को चुनने के लिए इंटरनेट कंपनियों को ज्यादा दिमाग खपाने की जरूरत नहीं है। दुनिया में इनदिनों पांच बड़े डाटा केंद्र हैं, दो अमेरिका में, दो एशिया में और एक फ्रांसीसी शहर मारसे में स्थित है। लेकिन हिंद महासागर में एक खालीपन है, और रियूनियन द्वीप उस मुकम्मल तौर पर भर सकता है।आखिरकार ये द्वीप है यूरोप का हिस्सा ही।उनके मुताबिक ठइसका मतलब ये है कि कंपनियां डाटा सुरक्षा के मुद्दे पर यूरोपीय पैमानों पर भरोसा कर सकती हैं। इसके अलावा उन्हें बड़ा ही काबिल स्टाफ मिलेगा और बेहतरीन स्वास्थ्य देखरेख मिलेगी। इस द्वीप की क्षमताओं और खूबियों ने, रियूनियन स्थित लॉजिप्रेन कंपनी की सीईओ और संस्थापक ब्रीएट्रिस गुजों का दिल पहले ही जीत लिया है।

उर्जित पटेल अब बीजिंग में एआईआई बैंक के उपाध्यक्ष नियुक्त

-बैंक में चीन के बाद भारत का सबसे अधिक वोटिंग हिस्सा है

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को बीजिंग स्थित बहुपक्षीय वित्तपोषण संस्थान एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसकी जानकारी एआईआईबी ने दी है। दरअसल एआईआईबी के संस्थापक सदस्यों में भारत भी है। यही नहीं, बैंक में चीन के बाद भारत का सबसे अधिक वोटिंग हिस्सा है। बैंक के प्रमुख चीन के पूर्व उप-वित्त मंत्री जिन लिक्यून हैं।

उर्जित पटेल (58) का कार्यकाल तीन साल का होगा। वह एआईआईबी के पांच में से एक उपाध्यक्ष होंगे। खबर है कि उर्जित पटेल अगले महीने पदभार संभाल सकते हैं। एआईआईबी के सूत्रों ने बताया कि वह डीजे पांडियन का स्थान लेंगे। पांडियन दक्षिण एशिया में एआईआईबी के सॉवरेन और गैर-सॉवरेन वित्तपोषण के प्रमुख हैं। पांडियन इस महीने भारत लौटेंगे। वह पूर्व में गुजरात के मुख्य सचिव भी रहे हैं। गौरतलब है कि उर्जित पटेल ने पांच सितंबर, 2016 को रिजर्व बैंक के 24वें गवर्नर का पद संभाला था। उन्होंने रघुराम राजन का स्थान लिया था। उसके बाद निजी कारणों का हवाला देते हुए साल दिसंबर-2018 में गवर्नर पद से इस्तीफा दे दिया था। आरबीआई के गवर्नर बनने से पहले उर्जित पटेल केंद्रीय बैंक के डिप्टी-गवर्नर थे और उनके पास मौद्रिक नीति विभाग का प्रभार था। अगर उर्जित पटेल के प्रोफाइल की बात करें तो वे अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ भी काम कर चुके हैं।

मैक्सिको जेल में दंगे, 56 कैदी घायल

मैक्सिको सिटी (ईएमएस)। उत्तरी मैक्सिको की जेल में कैदियों द्वारा जबरन वसूली करने की कोशिश को लेकर भड़के दंगे में 56 कैदी घायल हो गए।अधिकारियों ने बताया कि दंगा शुक्रवार को अपोडाका जेल में हुआ, जो मॉन्टेरी शहर के बाहर स्थित है।मामले के बारे में अधिकारी ने कहा, बंदूक का इस्तेमाल नहीं हुआ था, सभी मारपीट के कारण घायल हुए हैं। भारी वस्तुओं से लगी चोट या पत्थरों अथवा कुछ मामलों में फर्श (पर पटके जाने) के कारण कुछ लोगों के सिर पर जख्म हुए हैं।'' उन्होंने बताया कि जेल में कई कैदी औद्योगिक संयंत्रों में काम करते हैं और आमतौर पर उन्हें शुक्रवार को भुगतान किया जाता है। उन्होंने कहा कि कम से कम पांच गिरोह जेल की दीवारों के अंदर अन्य कैदियों से धन की उगाही कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि कैदियों के पास से प्रतिबंधित सेलफोन, शराब और नशीले पदार्थ पाए गए।

ओमिक्रोन के बाद आया डेल्टाक्रोन वैरिएंट, संक्रमण का पहला मामला

निकोसिया (ईएमएस)। कोरोना के एक के बाद एक सामने आ रहे नए वैरिएंट ने पूरी दुनिया की नींद उड़ा दी है। दूसरी लहर में भारत और दुनिया को बुरी तरह प्रभावित करने वाले डेल्टा वैरिएंट से उबरने के बाद इनदिनों ओमिक्रोन वैरिएंट का खतरा मंडराया हुआ है,लेकिन अब एक और वैरिएंट सामने आया है, जिसे 'डेल्टाक्रोन' कहा जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि साइप्रस में एक नया कोरोना वैरिएंट डेल्टाक्रोन उभरा है।एक रिपोर्ट में कहा गया है कि डेल्टाक्रोन का जेनेटिक बैकग्राउंड डेल्टा वैरिएंट के समान है, साथ ही इसमें ओमिक्रोन जैसे कुछ म्यूटेशन भी हैं,इसकारण इस डेल्टाक्रोन कहा गया है।हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि यह चिंता की बात नहीं है। कुल मिलाकर साइप्रस में लिए गए 25 नमूनों में ओमिक्रोन के 10 म्यूटेशन पाए गए। 11 नमूने उन लोगों के थे, जो वायरस के कारण अस्पताल में भर्ती थे, जबकि 14 सामान्य आबादी से आए थे।

साइप्रस विश्वविद्यालय में जैव प्रौद्योगिकी और आणविक वायरोलॉजी की प्रयोगशाला के प्रमुख डा लियोनडिओस कोस्त्रिकिस ने कहा कि अस्पताल में भर्ती रोगियों के बीच म्यूटेशन की तीवता अधिक थी। यह नए वैरिएंट और अस्पताल में भर्ती होने के बीच संबंध की इशारा करता है।

कोस्त्रिकिस ने इसपर जोर दिया कि वैरिएंट का डेल्टा वैरिएंट के समान जेनेटिक बैकग्राउंड है। साथ ही ओमिक्रोन से कुछ म्यूटेशन भी हैं। साइप्रस के स्वास्थ्य मंत्री मिखलिस हाडजीपांडेलस ने कहा कि नया वैरिएंट फिलहाल चिंता की बात नहीं है। मंत्री ने नए वैरिएंट की खोज पर भी गर्व व्यक्त किया। डा.कोस्त्रिकिस की टीम के अभूतपूर्व शोध और निष्कर्ष हमें अपने वैज्ञानिकों पर गर्व कराते हैं। जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, मंत्री ने यह भी कहा कि यह शोध स्वास्थ्य के मामलों में हमारे देश साइप्रस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रखता है। वैसे अब तक नए वैरिएंट के वैज्ञानिक नाम की घोषणा नहीं की गई है।

देश में लगातार बढ़ रही क्रेडिट कार्ड से खरीदी, 12 फीसदी का इजाफा हुआ

मुंबई (ईएमएस)। भारत में क्रेडिट कार्ड से खरीदार माह-दर-माह बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्तूबर महीने में देश में क्रेडिट कार्ड के माध्यम से की गई खरीदारी में 12 फीसदी का इजाफा हुआ है। क्रेडिट कार्ड से हुए खर्च ने अक्टूबर में पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार किया है।

गौरतलब है कि अक्तूबर माह में त्यौहारी सीजन था,इसकारण हर क्षेत्र में मांग बढ़ी और लोगों ने जमकर खरीदारी की। इस दौरान खरीदारी करने वाले लोगों ने कैश से ज्यादा ऑनलाइन पेमेंट करने को तरजीह दी। खासतौर पर क्रेडिट कार्ड से कर्ज लेकर खरीदारी ज्यादा की गई। यही कारण है कि अक्तूबर में पहली बार क्रेडिट कार्ड से होने वाला खर्च 1 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर 1,01,200 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

रिपोर्ट में जानकारी दी गई कि देश में जिस तरह से ऑनलाइन खरीदारी (खासकर क्रेडिट कार्ड से) बढ़ रही है। उसी तेजी से क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ताओं की संख्या में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। अक्तूबर महीने में विभिन्न बैंकों के द्वारा 13 लाख 36 हजार नए उपयोगकर्ताओं को क्रेडिट कार्ड मुहैया कराए। इस तरह सितंबर की तुलना में क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ताओं की संख्या में करीब 22 फीसदी की वृद्धि हुई है।वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा आंकड़ों को देखें तो पता चलता है कि देश में क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या 6.64 करोड़ तक पहुंच चुकी है। इस आंकड़े में मासिक आधार पर अक्तूबर में पिछले 14 महीनों की सबसे तेज बढ़त दर्ज की गई है।

एफपीआई ने जनवरी के पहले सप्ताह में शेयरों में किया 3,202 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। लगातार तीन महीने की बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में 3,202 करोड़ ??निवेश ?किया है। बाजार में आए करेक्शन की वजह से एफपीआई का निवेश प्रवाह सुधरा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे चलकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना, ओमीक्रोन को लेकर बढ़ती चिंता तथा मुद्रास्फीति के ऊंचे स्तर की वजह से भारतीय बाजारों को लेकर एफपीआई का प्रवाह उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। एफपीआई का ताजा निवेश अक्टूबर-दिसंबर, 2021 के दौरान भारतीय बाजारों से उनकी 38,521 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी के बाद आया है। इससे पहले पिछले साल सितंबर में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 13,154 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने 3-7 जनवरी के दौरान भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 3,202 करोड़ रुपए डाले हैं। बाजार के जानकारों का कहना है ?कि भारत सहित दुनियाभर में कोरोनो वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने के बीच एफपीआई अपने निवेश में रुख में सतर्कता बरतेंगे। जनवरी के पहले सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय ऋण या बांड बाजार में 183 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। बीते साल उन्होंने 1.04 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की थी।

अमेरिका को आम और अनार का निर्यात जनवरी-फरवरी, 2022 से शुरू होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारत से अमेरिका को आम और अनार का निर्यात जनवरी-फरवरी 2022 में शुरू होगा। इससे देश का कृषि निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। भारत से अनार के दानों (पॉमग्रेनेट एरिल) का अमेरिका को निर्यात और अल्फाल्फा चारे तथा चेरी का अमेरिका से आयात भी अप्रैल से शुरू होगा।

मंत्रालय ने कहा कि 23 नवंबर, 2021 को हुई 12वीं भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच की बैठक के अनुरूप कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा अमेरिका के कृषि विभाग (यूएसडीए) ने 2 बनाम 2 कृषि बाजार पहुंच मुद्दों'' के क्रियान्वयन के लिए रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।समझौते के तहत, आम, अनार और अनार के दानों के निरीक्षण एवं निगरानी तंत्र के तहत भारत से इनके निर्यात और अमेरिका की चेरी और अल्फाल्फा चारे के लिए भारत के बाजार में पहुंच देना शामिल है।

मंत्रालय ने कहा, आम और अनार का निर्यात जनवरी-फरवरी, 2022 में शुरू होगा और अनार के दानों का निर्यात अप्रैल,2022 से आरंभ होगा।मंत्रालय ने बताया कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने कहा है कि अमेरिका से आने वाले सुअर के मांस के लिए बाजार पहुंच देने की उसकी पूरी तैयारी है। व्यापार नीति मंच की बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा हुई थी। भारत ने बीते दो वर्ष से अमेरिका को आम निर्यात नहीं किए हैं।

एलआईसी के बाद दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ होगा रिलायंस जियो का

मुंबई (ईएमएस)। इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ (आईपीओ) मार्केट में साल 2022 एलआईसी के अलावा मुकेश अंबानी की टेलीकॉम कंपनी रिलांयस जियो का आईपीओ आ सकता है।जानकारी मिल रही हैं कि भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी की टेलीकॉम कंपनी जियो का आईपीओ साल 2022 प्राइमरी मार्केट में दस्तक दे सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, जियो इस साल लिस्ट हो सकती है।सूत्र के मुताबिक, इसका वैल्यूएशन 7.40 लाख करोड़ यानी 100 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। इसकी लिस्टिंग के बाद ग्रुप में रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद दूसरी सबसे बड़ी कंपनी होगी। यह देश का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ होगा है।

ब्रोकरेज फर्म ने नोट में कहा कि टेलीकॉम कंपनी जियो का आईपीओ इस साल लांच होगा है, इसका वैल्यू लगभग 100 अरब डॉलर के आसपास हो सकता है। सीएलएसए के विश्लेषकों ने कहा कि जियो में 2020 में 13 निवेशकों को करीबन 33 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची जा चुकी है।इसमें से 10 प्रतिशत के करीब फेसबुक को और 8 प्रतिशत के करीब गूगल को हिस्सेदारी बेची गई थी। जियो देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी है। इसके पास अक्टूबर 2021 में 42 करोड़ से ज्यादा ग्राहक थे।

जियो को अलग से लिस्टेड करना भारत में दूरसंचार क्षेत्र के लिए उत्प्रेरक हो सकता है।विश्लेषकों ने रिलायंस जियो को 11.5× ईवी/एबिटा पर 99 अरब डॉलर ईवी का मूल्य दिया, जिसमें जियोफाइबर के लिए 5 अरब डॉलर का ईवी शामिल है।

बंद किया जाएगा 'नर्क का द्वार', तुर्कमेनिस्तान की सरकार का आदेश

लंदन (ईएमएस)। तुर्कमेनिस्तान में पिछले 50 साल से जल रहे 'नर्क का द्वार को बंद करने का आदेश दिया है। तुर्कमेनिस्तान के कारकुम रेगिस्तान में स्थित यह 229 फीट चौड़ा और 66 फीट गहरा गड्ढा मीथेन गैस की रिसाव की वजह से लगातार जल रहा है।देश के राष्ट्रपति गुरबांगुली बर्डीमुखामेदोव ने अधिकारियों को आदेश दिया कि आग को बुझाने और गड्ढे को बंद करने के लिए जो भी प्रयास किया जा सकते हैं, उस तत्काल शुरु किया जाए।राष्ट्रपति गुरबांगुली ने गड्ढे की वजह से हो रहे पर्यावरणीय नुकसान और पैसों के नुकसान का हवाला देकर गडढ़े को बंद करने का आदेश दिया है। नर्क का द्वार कहे जाने वाले गड्ढे को दरवाजा गैस क्रेटर भी कहा जाता है। साल 2010 में भी गुरबांगुली ने एक्सपर्ट्स को इस गड्ढे को भरने और इसकी आग बुझाने के लिए निर्देश दिया था। यह आग 1971 से लगातार जल रही है।इसकी कहानी बड़ी रोचक है।

तुर्किमेनिस्तान के कराकुम रेगिस्तान में इस लोग नर्क का दरवाजा भी बुलाते हैं, क्योंकि यह जहां है, उसके पास में दरवाजा नाम का गांव भी है।पिछले 50 सालों से कुएं जैसी जगह पर सिर्फ आग ही आग दिखाई देती आ रही है। गड्ढे में तब से आग जलती हुई दिख रही है, जब सोवियत रूस के वैज्ञानिकों ने मौजूद गैस के बारे में जानने के लिए खुदाई शुरू की थी।वैज्ञानिकों के खुदाई के दौरान ही गड्ढे को खोदने वाला यंत्र उसमें गिर गिया जिसके बाद से उस गड्ढे से मीथेन गैस निकलनी शुरू हो गई। वैज्ञानिकों ने मीथेन गैस को वातावरण में फैलने से रोकने के लिए इसमें आग लगा दी और तब से यह जल रहा है।इसकारण जलते हुए गड्ढे को नर्क का द्वार भी कहा जाता है।हालांकि कई लोगों के लिए पर्यटन का केंद्र भी है और लोग दशकों से जल रहे उस गड्ढे को देखने जाते हैं।

गुरबांगुली ने कहा कि इंसानों की गलत हरकत की वजह से बना यह गड्ढा हमारे पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल रहा है।क्योंकि इसके आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों की सेहत बिगड़ती जा रही है। हम लगातार बेशकीमती प्राकृतिक संसाधन भी खो रहे हैं। अगर हम इसी मीथेन गैस का उपयोग किसी सकारात्मक काम में करते तब शायद देश के लोगों को ऊर्जा का अलग रूप मिलता।

ऐसा नहीं है कि गड्ढो को बुझाने का प्रयास पहले नहीं किया गया, लेकिन हर बार नाकामी ही मिली। प्रयास के साथ-साथ मिट्टी दरकने और रेत के खिसकने की वजह से गड्ढे की चौड़ाई बढ़ती चली गई। धीरे-धीरे यह एक पर्यटक स्थल बन गया।मजबूरी में सरकार को इसके चारों तरफ घेराबंदी करनी पड़ी ताकि लोग इसके नजदीक न जाएं। क्योंकि मीथेन गैस की वजह से जल रही आग से भी बुरी और बेहोश करने वाली दुर्गंध आती है। ज्यादा देर यहां खड़े रहने से तबियत बिगड़ सकती है।

नर्क का द्वार नाम से बदनाम गड्ढे की इमेज सुधारने के लिए साल 2018 में वर्तमान राष्ट्रपति ने इसका नाम बदलकर शाइनिंग ऑफ काराकुम भी रखा था।लेकिन उससे कोई फायदा नहीं हुआ।गड्ढे की वजह से हो रहे नुकसान की भरपाई नाम बदलने से तो हो नहीं सकती।समस्या ये है कि राष्ट्रपति के आदेश के बाद एक्सपर्ट आग को बुझाएंगे कैसे? क्योंकि अगर नर्क का द्वार धरती की किसी ऐसी परत से जुड़ा हुआ मिला, जहां पर मीथेन गैस का अथाह भंडार है, तब गैस को निकलने से रोकने का कोई इलाज नहीं है। आप इस कितना ही ढक लो, बंद कर लो, गैस निकल ही आएगी। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि तुर्कमेनिस्ताक की सरकार को इस गड्ढे की गर्मी का उपयोग ऊर्जा पैदा करने के लिए करना चाहिए।

चीन ने तोड़ दी बुद्ध की विशाल मूर्ति, मुंह खोलने पर तिब्बती भिक्षुओं को जबरन पीटा

बीजिंग (ईएमएस)। चीनी तानाशाही फिर दुनिया के सामने उजागर हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सिचुआन प्रक्षेत्र में चीनी प्रशासन ने कई तिब्बती भिक्षुओं को गिरफ्तार कर उनकी पिटाई कर दी है। दरअसल हाल ही में चीन ने भगवान बुद्ध की विशाल प्रतिमा को तोड़ दिया है। चीनी अधिकारियों को शक था कि उसकी इस करतूत के बारे में तिब्बती भिक्षुओं ने बाहरी लोगों को बताया है। जिसके बाद इसी संदेह में आकर उसने तिब्बती भिक्षुओं के साथ यह बर्बरता की है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के लुओ काउंटी (ड्रैगो) में 99 फुट लंबे बुद्ध की मूर्ति को नष्ट कर दिया गया है।

तिब्बती सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में बताया है कि चीनी अधिकारियों ने दिसंबर के महीने में इस मूर्ति को यह कहते हुए नष्ट कर दिया कि यह काफी ज्यादा लंबा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्थानीय तिब्बती भिक्षुओं को जबरन इस कार्रवाई को दिखाया गया। दरअसल चीन तिब्बत के राष्ट्रीय संस्कृति को जड़ से उखाड़ फेंकना चाहता है, और इसी अभियान के तहत ऐसा किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक ड्रागो के गाडेन नम्गयाल मठ से अब तक 11 भिक्षुओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। इन सभी पर आरोप है कि इन्होंने प्रतिमा को नष्ट करने का वीडियो और फोटो प्रक्षेत्र के बाहर शेयर किया है। कहा जा रहा है कि मठ से अबोट पेल्गा, उनके सायक नियामा और भिक्षु ताशी डोर्जे को हिरासत में लिया गया है। चीनी यह बात भी निकलकर सामने आई है कि इनकी बेरहमी से पिटाई की गई है और जेल में इन्हें खाना तक नहीं दिया गया। एक भिक्षु की इतनी पिटाई की गई है उनकी एक आंख पर गंभीर चोट आई है।न्यूयॉर्क के मानवाधिकार कार्यकर्ता सोफी रिचर्डसन ने बुद्ध मूर्ति को तोड़े जाने और तिब्बती भिक्षुओं पर अत्याचार को लेकर कहा कि चीन में इस धर्म को मानने वाले लोगों को कानूनी या संवैधानिक अधिकार नहीं मिलते।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में छह आतंकी ढेर

क्वेटा (ईएमएस)। बलूचिस्तान को आतंक का अड्डा बनने से रोकने के लिए पाकिस्तान की इमरान सरकार कई कदम उठा रही है। चरमपंथियों और अलगाववादियों के खिलाफ पाक सरकार कई सालों से वहां अभियान चला रही है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रांतीय राजधानी क्वेटा के पूर्वी बाईपास क्षेत्र के काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के एक ऑपरेशन में पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कम से कम छह कथित आतंकवादी मार दिए हैं। एक प्रतिबंधित संगठन के छह कथित आतंकवादी एक छापेमारी के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा ढेर किए गए हैं।

सुरक्षा बलों को आतंकी ठिकाने से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद हुई है। बयान में कहा गया है कि कथित आतंकवादियों में से एक के सिर पर 20 लाख रुपये का इनाम था।इसके पहले शनिवार को पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए थे। सीटीपी अधिकारियों ने कहा कि उसने शनिवार तड़के एक खुफिया सूचना पर अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान, आतंकवादियों ने सीटीडी कर्मियों पर गोलियां चलाईं, जिसका जोरदार जवाब दिया गया।

बलूचिस्तान में पिछले वर्ष भी 16 आतंकियों को सुरक्षा बलों ने अभियान चलाकर मार गिराया था। उस अभियान में दो सैनिक भी मारे गए थे। यह कार्रवाई प्रतिबंधित अलगाववादी संगठनों पर की गई थी। यह अभियान बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग इलाके में चलाया गया था। इस घटना के दौरान आतंकवादियों ने पुलिस पर गोली चलाई थी जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई थी। मुठभेड़ के बाद नौ क्लाशनिकोव राइफलें, विस्फोटक और रॉकेट से दागे जाने वाले ग्रेनेड बरामद किए गए थे।

रूस को यूक्रेन में हस्तक्षेप करने पर प्रतिबंधों का सामना करना होगा: अमेरिका

- अमेरिका से रूस को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों और विदेश निर्मित उत्पादों पर लग सकता है प्रतिबंध

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में जो बाइडन प्रशासन ने रूस से कहा है कि अगर रूस, यूक्रेन पर हमला करने की दिशा में आगे बढ़ता है तो उस पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अमेरिकी अधिकारियों ने यूरोप में अमेरिका की भविष्य की रणनीति की स्थिति के बारे में निर्णयों में लगातार बदलाव की संभावना जताई है लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अगर रूस यूक्रेन में हस्तक्षेप करता है तो उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा। अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन यूक्रेन में भविष्य में मिसाइलों की संभावित तैनाती को कम करने और पूर्वी यूरोप में अमेरिका और नाटो के सैन्य अभ्यासों को सीमित करने पर रूस के साथ चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि रूस को यूक्रेन में हस्तक्षेप करने पर आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना होगा। इनमें रूसी संस्थाओं पर प्रत्यक्ष प्रतिबंधों के अलावा अमेरिका से रूस को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों और विदेश निर्मित उत्पादों पर महत्वपूर्ण प्रतिबंध शामिल हो सकते हैं जो संभावित रूप से अमेरिकी क्षेत्राधिकार में आते हैं। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब यूक्रेन को लेकर बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को स्विट्जरलैंड में वरिष्ठ अमेरिकी और रूसी अधिकारियों की बैठक होनी है। अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका उन वार्ताओं में अपने यूरोपीय सुरक्षा रुख के कुछ सीमित पहलुओं पर चर्चा करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि रूस की मांग के अनुरूप अमेरिका पूर्वी यूरोप में अपनी सैन्य उपस्थिति या हथियारों को कम करेगा।

ऊर्जा और उपभोक्ता वस्तुओं पर प्रतिबंधों के अलावा अमेरिका और उसके सहयोगी अमेरिकी उपकरणों का उपयोग करने वाले उन्नत इलेक्ट्रॉनिक पुरज़ों, सॉफ्टवेयर और संबंधित प्रौद्योगिकी के रूस को निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि निर्यात नियंत्रण उद्देश्यों के लिए रूस को क्यूबा, ईरान, उत्तर कोरिया और सीरिया के साथ प्रतिबंधात्मक समूह में शामिल किया जा सकता है। इसका मतलब यह होगा कि इस क्षेत्र में अमेरिका का सॉफ्टवेयर, प्रौद्योगिकी और उपकरणों में वैश्विक प्रभुत्व होने के कारण, एकीकृत सर्किट और एकीकृत सर्किट वाले उत्पादों को प्राप्त करने की रूस की क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित होगी, जिसका असर एयरक्राफ्ट एवियोनिक्स, मशीन टूल्स, स्मार्टफोन, गेम कंसोल, टैबलेट और टीवी तक हो सकता है। इस तरह के प्रतिबंध महत्वपूर्ण रूसी उद्योग को भी लक्षित कर सकते हैं, जिसमें इसके रक्षा और नागरिक उड्डयन क्षेत्र शामिल हैं, जो रूस की कृत्रिम बुद्धि या क्वांटम कंप्यूटिंग में उच्च-तकनीकी महत्वाकांक्षाओं को प्रभावित करेगा। जिनेवा में अमेरिका और रूस के बीच सोमवार को होने वाली सामरिक और सुरक्षा वार्ता से पहले एक अधिकारी ने कहा ?कि हमें लगता है कि हम कम से कम रूसियों के साथ प्रगति की संभावना तलाश सकते हैं। सोमवार की बैठक के बाद बुधवार को रूस और नाटो के सदस्यों के बीच और गुरुवार को यूरोपीय लोगों के साथ चर्चा होगी।

गुजरात में तेजी गति से बढ़ रहा है कोरोना संक्रमण, राज्य में 6275 नए पॉजिटिव केस

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना की स्थिति दिन प्रति दिन गंभीर होती जा रही है, बावजूद इसके लोग आज भी लापरवाही से बाज नहीं आ रहें पिछले कई दिनों से रोजाना केसों में 1000-1200 की वृद्धि हो रही हैं कोरोना की रोकथाम के लिए राज्य में रात्रि कर्फ्यू का समय बढ़ाने के साथ ही कई पाबंदियां भी लगाई गईं परंतु लोगों की लापरवाही कोरोना संक्रमण को हवा दे रही हैं रविवार को राज्य में कोरोना के 6275 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 1263 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गएं आज राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुईं 15 से 18 वर्षीय किशोरों समेत राज्यभर में आज 93467 लोगों का टीकाकरण किया गया पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 2487, सूरत कॉर्पोरेशन में 1696, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 347, राजकोट में 194, सूरत में 183, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 153, नवसारी में 118, वलसाड में 107, भावनगर कॉर्पोरेशन में 98, कच्छ में 70, भरुच में 68, खेडा में 67, आणंद में 64, राजकोट में 60, पंचमहल में 57, गांधीनगर में 53, वडोदरा में 51, जामनगर कॉर्पोरेशन में 49, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 45, साबरकांठा में 35, अहमदाबाद में 32, मोरबी में 29, नर्मदा में 25, अमरेली में 24, मेहसाणा में 19, पाटन में 17, बनासकांठा में 13, देवभूमि द्वारका में 12, सुरेन्द्रनगर में 12, भावनगर में 11, गिर सोमनाथ में 9, महीसागर में 9, दाहोद में 8, जामनगर में 8, तापी में 7, पोरबंदर में 6, छोटाउदेपुर, बोटाद में 2, जूनागढ़ में 2 और डांग में 1 समेत राज्यभर में 6275 कोरोना पॉजिटिव केस पिछले 24 घंटों में सामने आए हैं जबकि 1263 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया राज्य में अब तक 824163 नागरिक कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10128 लोगों की कोरोना से जा चुकी हैं राज्य में फिलहाल कोरोना के 27913 सक्रिय मरीज हैं, जिसमें 27887 स्टेबल हैं और 26 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं रविवार को राज्यभर में 93467 नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया जिसमें 2 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 144 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 3599 को पहला और 11427 नागरिकों को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 24671 को पहला और 35767 लोगों को दूसरा डोज दिया गया वहीं 15 से 18 वर्षीय 17857 किशोरों को कोविड की पहली वैक्सीन दी गईं राज्य में 1873897 किशोरों समेत अब तक 9 करोड़ 31 लाख 18 हजार 817 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

भारतीय जल क्षेत्र में पाकिस्तानी नाव पकड़ी गई, नाव में सवार 10 लोग भी धरे गए

पोरबंदर (ईएमएस) तटरक्षक बल के जवानों ने भारतीय जल क्षेत्र से एक पाकिस्तानी नाव को पकड़ा हैं नाव में सवार 10 पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार कर पोरबंदर लाया जाएगा, जहां सभी से पूछताछ की जाएगी यह कोई पहला मामला नहीं है, जब पाकिस्तान की नाव को भारतीय क्षेत्र में पकड़ा गया है, इससे दो दिन पहले शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब के फिरोजपुर जिले में सीमा चौकी के पास एक लावारीस पाकिस्तानी नाव को जब्त किया हैं फिरोजपुर पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट होने के कारण एक संवेदनशील जिला हैं गुजरात के तट पर बीते साल सितंबर के महीने में एक नाव पकड़ी गई थीं उस पर 12 पाकिस्तानी सवार थें हाल के दिनों में ऐसा देखा गया है कि पाकिस्तानी भारत समेत अन्य देशों में पानी के रास्ते ड्रग्स की तस्करी करने की कोशिश कर रहे हैं बीते महीने भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात एटीएस ने एक संयुक्त ऑपरेशन कल पाकिस्तानी नाव अल हुसैनी को भारतीय जलक्षेत्र से पकड़ा थां अल हुसैनी नामक नाव की जब तलाशी ली गई तो उसमें से 77 किलो हेरोइन बरामद की गईं जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 400 करोड़ रुपए के करीब बताई गईं इस दौरान नाव पर सवार छह लोगों को भी गिरफ्तार किया गया थां बीती रात पोरबंदर में भारतीय कोस्ट गार्ड के अंकित जहाज के एक ऑपरेशन में कोस्टगार्ड ने गुजरात के तटीय क्षेत्र से पाकिस्तानी 10 शख्सों को गिरफ्तार किया हैं ये सभी पाकिस्तानी बोट यासीन में सवार थें घटना है बीती रातय यानी 8 जनवरी की रात कीं बोट समेत पकड़े सभी पाकिस्तानियों को आज शाम तक पोरबंदर लाया जाएगा, जहां उनकी पूछताछ की जाएगीं

और दो स्कूलों के 14 विद्यार्थी हुए संक्रमित, सूरत मनपा ने बंद कराई स्कूलें

सूरत (ईएमएस) शहर की और दो स्कूलों में 14 विद्यार्थियों के कोरोना संक्रमित होने के बाद महानगगर पालिका ने दोनों स्कूलों का बंद करवा दिया हैं बता दें कि गुजरातभर में कोरोना ने हाहाकार मचा रखा हैं राज्यभर में दर्ज हो रहे कुल मामलों में आधे मामले अहमदाबाद में सामने आ रहे हैं अहमदाबाद के बाद सूरत में सबसे अधिक कोरोना के केस दर्ज हो रहे हैं कोरोना की स्कूलों में भी एन्ट्री हो गई है और विद्यार्थी इसकी चपेट में आ रहे हैं शनिवार को सूरत की और दो स्कूलों में 14 जितने विद्यार्थी कोरोना संक्रमित हो गएं सूरत की टेकरावाला स्कूल में 8 और स्वामीनारायण विद्यालय में 6 विद्यार्थियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैं स्कूल संचालकों द्वारा सतर्कता बरते जाने के दावे किए जाने के बावजूद विद्यार्थी संक्रमित हो रहे हैं शहर की और दो स्कूलों में 14 विद्यार्थियों के संक्रमित होने के बाद महानगर पालिका ने दोनों स्कूलों को बंद करवा दी हैं साथ ही स्कूलों में सैनिटाइजेशन की कार्यवाही शुरू की गई हैं

तीन महिला सहित पांच की घटनास्थल पर ही मौत

धोलका-बगोदरा हाइवे पर दुर्घटना में पांच की मौत

अहमदाबाद, ९ जनवरी।

धोलका-बगोदरा हाइवे पर भीषण दुर्घटना हुई जिसमें घटनास्थल पर पांच की मौत हुई है। जबकि अन्य लोगों को चोटें आई हैं। यह भीषण दुर्घटना में इको कार चकनाचूर हो गई। इस घटना में इको कार की दुर्घटना अज्ञात वाहन के साथ हुई थी घटना होने पर धोलका टाउन पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई थी। जिसमें घायलों को १०८ के द्वारा धोलका अस्पताल भेजा गया। मृतकों में पुरूष और ३ महिलाएं शामिल है। घटना की मिली जानकारी के अनुसार, इको गाडी में सवार खेडा जिले के वारसंग के निवासी ठाकोर परिवार के सदस्य वारसंग से निकलकर बरवाला में माता के दर्शन करने जा रहे थे। इस दौरान धोलका-बगोदरा हाइवे पर सांई दर्शन सोसाइटी के निकट सुबह में इको गाड़ी किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई थी, जिसमें तीन महिला और दो पुरूष इस तरह पांच लोगों की मौत हुई है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर आगे की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, इको गाड़ी में चार बच्चे, पांच पुरूष और छह महिला थी, जिसमें तीन महिला और दो पुरूष की घटनास्थल पर ही मौत हुई थी। महत्वपूर्ण है कि १० दिन पहले ही बगोदरा-वटामण हाइवे पर भीषण दुर्घटना थी। अचानक ट्रक के पीछे एक तूफान गाड़ी घुस जाने पर दुर्घटना हुई थी। इस दुर्घटना में तीन की मौत हुई थी और १० लोग घायल हो गये। दुर्घटना हुई तूफान कार में सवार लोग राजकोट की अलग-अलग स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षक थे। वह राजकोट से वापी क्रिकेट खेलने के लिए स्पर्धा में गये थे। इस दुर्घटना में मृतक और घायलों को सरकार ने सहायता की घोषणा की है।

बाहर निकले तो एन९५ मास्क पहनना जरूरी : सिविल अधीक्षक

अहमदाबाद, ९ जनवरी।

शहर सहित राज्यभर में कोरोना अपनी पकड़ और मजबूत बना रही है। अब बढ़ते कोरोना आतंक से डरने की बजाय सतर्क रहने का समय आ गया है। जिस प्रकार से कोरोना के केस सामने आ रहे है यह देखते हुए आगामी १५ दिन लोगों को सतर्क रहना बहुत ही जरूरी है। यह १५ दिन बतायेगा कि अब किस दिशा में जाना। इतना ही नहीं अब लोग बाहर निकले तो साधारण कपड़े का मास्क पहनने की अपेक्षा एन९५ मास्क पहनना ज्यादा श्रेष्ठ रहेगा ऐसी अपील सिविल अधीक्षक ने की है। राज्य में पिछले २४ घंटे में कोरोना के ५६०० से भी और नए केस सामने आये हैं और राज्य में एक्टिव केस की संख्या २२ हजार को पार कर चुकी है। अहमदाबाद में भी कोरोना के २५०० केस सामने आये हैं। यह देखते हुए १५ दिन लोगों को काफी सतर्क रहना बहुत ही जरूरी है। यह सिविल अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी बता रहे है। १२०० बेड में कुल १७ पॉजिटिव मरीज भर्ती है। जिसमें १६ कोरोना के और १ ओमीक्रॉन के मरीज है। यह मरीजों में १२ स्टेबल है। २ पेशंट बायपेप पर है। उन्होंने वैक्सीन नहीं लिया है। ३ पेशंट ऑक्सीजन पर है। -जिस प्रकार से कोरोना के केस बढ़ रहे है इसके सामने भर्ती होने की संख्या कम है। हाल परिस्थिति कंट्रोल में है लेकिन कब बढ़ेगा यह कहना मुश्किल है। लोगों को मेले में जाने का टाल देना चाहिए। अब लोग बाहर निकले तो साधारण कपड़े का मास्क पहनने की अपेक्षा एन९५ मास्क पहनना ज्यादा श्रेष्ठ रहेगा यह अपील सिविल अधीक्षक ने की है। कोरोना की तीसरी लहर मामले में सिविल अस्पताल पुरे तरीके से सुसज्जित है। सिविल कैंपस की अस्पताल मिलाकर मेडिसिटी में २५०० से ३ हजार बेड की व्यवस्था की गई है। १२०० बेड अस्पताल में सभी बेड ऑक्सीजन बेड के तौर पर कन्वर्ट किया गया है। ५५० ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर की व्यवस्था की गई है। दो ऑक्सीजन टेक्र २० हजार लीटर की कैपेसीटी के साथ व्यवस्था की गई है।

पूरी घटना जानकर पुलिस भी आश्चर्यचकित हो गई

देवर-भाभी की कार को रोककर तीन युवक भाभी को ले गये

राज्य में किसी उम्र की महिलाओं के साथ रोजाना कोई न कोई घटनाएं सामने आती रही है

भीलाड, ९ जनवरी।

राज्य सरकार महिला सुरक्षा को लेकर बड़े दावे कर रही है। हालांकि राज्य में किसी उम्र की महिलाओं के साथ रोजाना कोई न कोई घटनाएं सामने आ रही है। अब राज्य के दूरदराज स्थित वलसाड जिले के उमरगाम तहसील में एक युवती की अपहरण की घटना सामने आई है। उमरगाम की भीलाड पुलिस सहित एसओजी और एलसीबी पुलिस की टीम ने कुछ देर में युवती का ३ अपहरणकर्ताओं के चंगुल से मुक्ति दिलाई थी। हालांकि महिला की मेडिकल बाद जो खुलासे हुए हैं यह सुनकर पुलिस भी आश्चर्यचकित हो गई। क्योंकि महिला के साथ गैंगरेप हुआ था। वलसाड जिले के उमरगाम तहसील के भीलाड पुलिस स्टेशन में एक महिला की अपहरण की घटना से सनसनी मच गई है। भीलाड पुलिस स्टेशन की सीमा में रहते एक शिकायतकर्ता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि, अपनी भाभी की तबियत खराब होने से उनको अस्पताल ले जा रहे थे तब शिकायतकर्ता अपनी भाभी को अपनी कार में ही अस्पताल तरफ ले गया था। तब सरीगाम निकट तीन व्यक्तियों द्वारा अचानक उनकी कार को रोका था। कार को रोककर और शिकायतकर्ता को बाहर निकालकर इसे काफी पीटा गया था और इसके बाद कार में बैठी शिकायतकर्ता की भाभी को जबरदस्तीपूर्वक कार में लेकर आरोपियों ने यह पीड़ित महिला का अपहरण किया था। शिकायत मिलने पर वलसाड जिले की पुलिस सक्रिय हो गई थी और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए वलसाड एलसीबी, एसओजी पुलिस स्टेशन और उमरगाम पुलिस स्टेशन सहित वलसाड जिला पुलिस के उच्च अधिकारियों का काफिला भीलाड पहुंच गया। वलसाड पुलिस द्वारा कुछ ही देर में ३ आरोपियों को कुछ देर में गिरफ्तार कर लिया। भीलाड पुलिस स्टेशन में एक महिला की अपहरण की गुत्थी तो भीलाड पुलिस ने कुछ ही देर में सुलझा लिया और पुलिस ने रातभर विभिन्न टीमें बनाकर अपहरण हुई युवती को बचा लिया था। वलसाड पुलिस ने सुनील विजय वारली, राहुल बाबुराव कमाल ने और सूरज विद्यानंद झा नाम के आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

विपक्ष के नेता पद के मुद्दे पर कांग्रेस के 10 नगर पार्षदों का इस्तीफा

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद महानगर पालिका में विपक्ष के नेता पद को लेकर कांग्रेस काउंसिलरों ने पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया हैं कांग्रेस के 10 नगर पार्षदों ने शहजादखान पठान को विपक्ष का नेता बनाए जाने से नाराज होकर इस्तीफा दे दिया हैं नाराज नगर पार्षद अहमदाबाद स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे जहां पत्र लिखकर कांग्रेस प्रमुख को अपना इस्तीफा सौंप दियां इस्तीफा देने वाले कांग्रेस के पार्षदों में कमला चावडा, राजश्री केसरी, हाजी मिर्जा, जमना वेगडा, माधुरी कलापी, कामिनी झा, नीरव बख्शी, इकबाल शेख और तसनीम तिर्मिजी शामिल हैं नाराज पार्षदों की मांग है कि किसी वरिष्ठ नेता को महानगर पालिका में विपक्ष के नेता बनाया जाना चाहिएं यदि ऐसा नहीं किया जाता तो 11 से ज्यादा नगर पार्षद सामूहिक इस्तीफा दे देंगें पार्टी की अंदरूनी कलह के चलते कांग्रेस के अहमदाबाद महानगर पालिका में विपक्ष का पद गंवाना पड़ सकता हैं मौजूदा स्थिति में यदि 7 से ज्यादा नगर पार्षद इस्तीफा देते हैं तो कांग्रेस का संख्याबल घट जाएगा और यह आंकड़ा 19 क्रे नीचे पहुंच गया तो महानगर पालिका में कांग्रेस पार्षदों की संख्या 20 की नीचे पहुंच जाएगा और उसके हाथ से विपक्ष का पद चला जाएगां

400 से ज्यादा लोगों की भीड़ जमा हुई तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी : गृह राज्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना संकट गंभीर होता जा रहा हैं इसके बावजूद कोविड नियमों की धज्जियां उड़ाते लोगों की कई तस्वीरें सामने आ रही हैं ऐसी घटनाओं को लेकर गृह राज्यमंत्री ने लोगों को सख्त हिदायत दी हैं गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा है कि 400 से अधिक लोगों की भीड़ जमा होने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगीं गुजरात में कोविड नियम सभी पर लागू होते हैं और सभी को इसका सख्ती से पालन करना होगां गुजरात पुलिस प्रत्येक कार्यक्रमों पर नजर रख रही है और जहां कहीं भी कोविड नियमों का उल्लंघन किया जाएगा, वहां पुलिस कार्यवाही करने से पीछे नहीं हटेगीं बता दें कि गुजरात में कोरोना के आंकड़े बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं शनिवार को राज्य में कोरोना के 5677 और ओमिक्रॉन के 32 केस सामने आए थें गुजरात में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 22901 पर पहुंच गई है, जिसमें 25 लोग वेन्टेटर पर हैं अहमदाबाद में सबसे कोरोना कहर बरपा रहा है, जहां शनिवार को 2521 नए मामले सामने आए थें

नडियाद के कैनाल में महिला के कूदने की चर्चा, फायर विभाग के तैराक कर रहे हैं तलाश

खेडा (ईएमएस) जिले के नडियाद से गुजरती नहर में एक महिला के छलांग लगाने की खबर पाते ही फायर विभाग के तैराकों की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और खोजबीन शुरू कर दीं हांलाकि काफी मशक्कत के बाद फायर विभाग को कोई सफलता नहीं मिली हैं खबर सही थी या गलत यह तो बाद में पता चलेगा, फिलहाल फायर विभाग के जवान मानवता के नाते अपनी कार्यवाही जारी रखे हुए हैं दरअसल खेडा जिले के नडियाद में कॉलेज रोड से गुजरती मही सिंचाई योजना की मुख्य नहर में रविवार की सुबह 11.30 के आसपास किसी महिला के छलांग लगाने की खबर नडियाद फायर कंट्रोल रूम को मिली थीं सूचना मिलते है फायर ब्रिगेड की टीम 5 जितने तैराकों के साथ घटनास्थल पर पहुंच गईं लेकिन घटनास्थल पर महिला का कोई सामान या एक भी प्रत्यक्षदर्शी मौजूद नहीं थां सूचना सही थी या गलत इसे नजरअंदाज करते फायर विभाग के जवानों ने नहर के पानी में महिला की तलाश शुरू कर दीं कॉलेज से सिविल तक फायर विभाग के जवानों ने खोजबीन की, परंतु उनके हाथ कोई व्यक्ति नहीं लगीं फायर विभाग के एक जवान ने बताया कि उनके पहुंचने के बाद बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गईं लोगों में चर्चा थी कि युवक और युवती लड़ते-झगड़ते नहर पर आए थें जहां युवती ने नहर में छलांग लगा दीं घटना में कितनी सच्चाई है यह तो युवती के मिलने या मामले की जांच के बाद सामने आएगीं फिलहाल फायर के जवान अपनी कर्त्तव्य निभा रहे हैं

माननीय सांसद श्री मोहन भाई कुंडारिया द्वारा राजकोट एवं वांकानेर स्टेशन पर यात्री सुविधा के विविध कार्यो का लोकार्पण

राजकोट बना एसकेलेटर की सुविधायुक्त सौराष्ट्र का पहला रेलवे स्टेशन

कार्यक्रम के प्रारम्भ में राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कुमार जैनने माननीय सांसद श्री मोहन भाई कुंडारियाका स्वागत किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने माननीय सांसद श्री मोहन भाई कुंडारिया द्वारा रेल सुविधाएं बढ़ाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की। माननीय सांसद श्री मोहनभाईकुंडारिया जी द्वारा आज करीब 23.66 करोड़ रु की लागत के यात्री सुविधा के कार्यो का लोकार्पण किया गया जिसमें से राजकोट स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की लागत करीब 21.29 करोड़ रु तथा वांकानेर पर यात्री सुविधाओं की लागत करीब 2.37 करोड़ रु है।

श्रीजैन ने इस अवसर पर बताया कि राजकोट स्टेशन सौराष्ट्र का एसकेलेटर सुविधायुक्त पहला स्टेशन बन गया है। राजकोट स्टेशन पर 3 एसकेलेटर लगवाये गए हैं जिसमें प्लेटफार्मनं 1 पर दो तथा प्लेटफार्मनं 2/3 पर एक एसकेलेटर लगाया गया है। साथ ही प्लेटफार्मनं 2/3 पर एक और लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कारवाई गयी है जिसकी क्षमता एक बार में 20 व्यक्तियों की है। स्टेशन बिल्डिंग का रिडेव्लपमेंट किया गया है एवं अग्रभाग में बहुत ही सुंदर प्रकाश व्यवस्था की गयी है। प्लेटफॉर्मनं 2 और 3 पर नयी कोच इंडिकेटर प्रणाली लगाई गयी है जिससे कि यात्रियों को आसानी से अपने कोच की जानकारी मिल सके। प्लेटफॉर्मनं 1/2 और 3 पर नया क्विकवॉटरिंगसिस्टम लगाया गया है जिससे ट्रेन के कोच में पानी कम समय में भरा जा सके।

वांकानेर स्टेशन पर प्लेटफॉर्मनं 2 तथा सर्कुलेटिंगएरिया पर नवनिर्मित दो यात्री लिफ्ट की सुविधा प्रदान की गयी है और प्लेटफॉर्मनं 2 पर कवरशेड को विस्तारित किया गया है।वांकानेर स्टेशन के यात्री सुविधा कार्यो का ई-लोकार्पण माननीय सांसद द्वारा राजकोट से ही किया गया। इस अवसर पर माननीय सांसद श्री मोहन भाई कुंडारिया ने बताया किएस्केलेटर और लिफ्ट की सुविधा सभी रेल यात्री विशेष कर वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं व दिव्यांगजनों के लिए बहुत ही उपयोगी होगी।उन्होनेबताया कि सुरेन्द्रनगर-राजकोट सेक्शन में डबल ट्रैक का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है और इस प्रोजेक्ट के लिए 1200 करोड़ रु का फंड केंद्र सरकार द्वारा आवंटित किए गएहैं। उन्होने राजकोट स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की और साफ सफाईकी भरपूर प्रशंशा की। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अभिनव जेफ ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ जन संपर्क निरीक्षक श्री विवेक तिवारी द्वारा किया गया।

वैद्य टिकट वाले रेल यात्रियों को रात्रि कर्फ्यू के दौरान स्टेशन जाने की छूट

वर्तमान समय में कोरोना केसों के तेजी से बढ़ने के कारण गुजरात सरकार द्वारा रात्रि 10 बजे से सुबह 06 बजे तक रात्रि कर्फ्यु लगाया गया है। आदेश में रात्रि कर्फ्यु के दौरान रेल यात्रियों को वैद्य टिकट साथ होने पर स्टेशन जाने की अनुमति प्रदान की गई है।

रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि यात्रा के दौरान मास्क पहने, सामाजिक दूरी का पालन करें, सैनिटाइजर का उपयोग करें या बार-बार साबुन या हैंडवाश से हाथ धोएं एवं कोविड-19 के सभी प्रोटोकॉल का पालन करें। स्टेशन पर अनावश्यक भीड़भाड़ ना करें, पर्याप्त दूरी बनाकर रहें।

दुकान के कर्मचारी ने मुफ्त कुल्फी नहीं देने पर पुलिस ने पीट दिया

अहमदाबाद, ९ जनवरी।

शहर के पालडी क्षेत्र में दुकान के कर्मचारी ने मुफ्त कुल्फी नहीं देने पर पुलिस के पीटने की घटना सामने आई है। जिसमें दुकान के मैनेजर ने पालडी के कॉन्स्टेबल सुभाष रबारी और और अन्य एक व्यक्ति के विरूद्ध मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के सामने यह शिकायत दर्ज कराई है कि, उन्होंने कोरोना के नियमों का भंग किया है और रात को ११ बजे अशर्फी कुल्फी की दुकान बंद हो गई फिर भी मुफ्त कुल्फी मांगी थी। हालांकि, मैनेजर ने देने से इन्कार करने पर पुलिस वालों ने मैनेजर और दूसरे कर्मचारी को पुलिस स्टेशन ले गये और काफी पीटा। मिली जानकारी के अनुसार पालडी भट्ठा में स्थित अशर्फी कुल्फी की दुकान में मैनेजर के तौर पर हरेन्द्र मनोहरसिंह राठोड ने वकील के द्वारा मेट्रोपोलिटन कोर्ट में अर्जी की है। जिसमें ऐसी शिकायत दर्ज कराई है कि, अर्जीकर्ता हरेन्द्रसिंह और एक अन्य कर्मचारी ३ जनवरी की रात को ११.३० बजे अशर्फी कुल्फी की दुकान में थे।

वह रात को वहीं पर सो जाते है। इस दौरान मोबाइल चार्ज में रखकर सोने की तैयारी कर रहे थे। उस समय में तहोमतदार और दूसरा एक व्यक्ति जिसने मास्क भी नहीं लगाया वह अंदर आये थे और कुल्फी मांगी थी। उन्होंने कहा कि, कुल्फी मुफ्त में दे हम डी स्टाफ में है। शिकायतकर्ता ने मना करने की वजह से आरोपी पुलिस वाला ने फीज का लोक साइड में रखकर फीज खोलकर जांच की थी और कहा कि कुल्फी तो है। इसके बाद शिकायतकर्ता को कानून बताऊ यह कहकर डरा दिया। पुलिसवाला शिकायतकर्ता और सफाई कर रहे कर्मचारी को चलते चलते पुलिस स्टेशन ले गये और वहां एक रुम में काफी पीटा और गाली भी दी।

उत्तरायण का त्यौहार निकट है तब कालुपूर पतंग बाजार में लोग पतंग की खरीदी करने में लग गये हैं।

कोरोना विस्फोट के बावजूद बाजारों में मकर संक्राति की खरीदी के लिए उमड़ी भीड़

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर समेत राज्यभर में कोरोना ने हाहाकार मचा रखा है, जिसकी रोकथाम के लिए राज्य सरकार ने रात्रि कर्फ्यू का समय बढ़ाने के साथ ही कई पाबंदियां लगाई हैं ताकि लोगों को कोरोना से सुरक्षित रखा जा सकें लेकिन लोग स्वयं जब कोरोना को न्यौता दे रहे हैं गुजरात में रोजाना दर्ज हो रहे मामलों में आधे से ज्यादा केस अहमदाबाद में सामने आ रहे हैं कोरोना संक्रमण का एपी सेंटर बन चुके अहमदाबाद के लोग अब भी गंभीर नहीं हैं और कोविड नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं मकर संक्रांति से पूर्व आखिरी रविवार को अहमदाबाद के बाजारों में खरीदी के लिए लोगों की भीड़ रहीं जिसमें सोशल डिस्टेंस तो छोड़िए लोगों ने मास्क तक नहीं लगाए थें अहमदाबाद के रायपुर, खाडिया, और दिल्ली दरवाजा स्थित पतंग बाजार में लोगों की भारी भीड़ कोरोना का आमंत्रित कर रही हैं अहमदाबाद के तीन दरवाजा और भद्र इलाकों में साल के 365 दिन खरीददारों की भीड़ रहती है और ऐसी भीड़ ही संक्रमण को हवा दे रही हैं ऐसी जगहों पर मौजूद पुलिस भी मूकदर्शक बनकर केवल तमाशा देख रही हैं पहली और दूसरी लहर के बाद लोग कोरोना को लेकर गंभीर नहीं हैं प्रशासन ने लोगों को कोविड नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी हैं अब जिम्मेदारी आम लोगों पर है जिन्हें कोविड नियमों का पालन करते हुए स्वयं को और दूसरों को भी सुरक्षित रखना हैं अलग बात है कि फिलहाल हालात इतने गंभीर नहीं हैं, लेकिन लोग लापरवाही करेंगे तो स्थिति बिगड़ते देर नहीं लगीं

कब सुधरेंगे गुजरात के नेता?

कोरोना के आतंक के बीच नेता ने लोगों को मैराथन में दौड़ाया

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कोरोना की स्थिति को देखते हुए अपने सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया है

गांधीनगर, ९ जनवरी।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कोरोना की स्थिति को देखते हुए अपने सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया है, तथा कई बड़े सरकारी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया है। ऐसे में नेता क्यों नहीं सुधरते है। अभी नेता जनसभा को इकट्ठा करके लोगों की जान खतरे में डाल रहे हैं। गीर सोमनाथ के वेरावल में कोरोना की दौड़ का विडियो सामने आया है। वेरावल में मैराथन दौड़ आयोजित हुई थी, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए थे। लेकिन नियम को नजरअंदाज करके मैराथन दौड़ आयोजित हुई थी। वास्तविकता है कि, सांसद राजेश चुडासमा की मौजूदगी में नियम भंग हुए। राज्य में कोरोना के केस का आंकड़ा प्रतिदिन बढ़ रहा है। ऐसे में सावधानी रखनी जरूरी है। सरकार खखुद लोगों को सावधानी रखने की सलाह देती है, लेकिन सरकार के नेता ही यह नियम को भुल जाते है। वेरावल की चोपाटी में मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। भारत विकास परिषद द्वारा यह मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में प्रतियोगी पहुंच गए। रोचक बात यह है कि यह मैराथन दौड़ की शुरूआत सांसद राजेश चुडासमा ने कराया। एक तरफ राज्य में कोरोना के रोजाना ५ हजार से ज्यादा केस दर्ज हो रहे हैं, ऐसे में यह दृश्यों की वजह से कई सवाल उठ रहे हैं। यह दौड़ में गीर सोमनाथ सहित अन्य जिलों से भी प्रतियोगी शामिल हुए थे। हजारों की संख्या में युवक, महिलाएं और बुजुर्ग लोग भी यह दौड़ में शामिल हुए थे। जिनका स्वास्थ्य खतरे में पड़ गया। खुद सांसद नियमों को भंग होते हुए देखते रहे, लेकिन कोई कदम नहीं उठाये। नियमों को नजरअंदाज करके मैराथन दौड़ आयोजित हुई थी। सांसद राजेश चुडासमा की मौजूदगी में नियम भंग हुए। वेरावल में आयोजित हुए मैराथन के बाद शुरू हुआ विवाद बाद भी वेरावल चोपाटी में हजारों की संख्या में प्रतियोगी और आयोजकों का सेलिब्रेशन चालू रहा। मास्क और सामाजिक दूरी का भंग किया गया।

बेटी के रोने से लोगों की आंखें नम हो गई

बेटी के साथ निकली महिला की डोर से गला कटने से मौत हुई

पतंग की डोर से गला कटने पर युवती की एक्टिवा स्लीप हुई लेकिन इसके साथ बैठी बेटी का बचाव हुआ

भरूच, ९ जनवरी।

भोलाव ओवरब्रिज पर मोपेड पर जा रही मां-बेटी के लिए पतंग का डोर जानलेवा बन गया। गला कटने से एक महिला की मौत हुई है। पतंग की डोर से गला कटने पर युवती की एक्टिवा स्लीप हुई थी लेकिन इसके साथ बैठी बेटी का बचाव हुआ था। भरूच के झाडेश्वर में अरूणोदय बंग्लोज स्थित है। यह बंगले में अंकिता मिस्त्री नाम की महिला अपने परिवार के साथ रहती है। यह महिला शनिवार को अपनी बेटी के साथ अपने ससुराल तरफ जाने के लिए निकली थी।

अंकिताबहन अपनी एक्टिवा पर भृगु ऋषि ब्रिज पर से जा रही थी तब उस समय में अचानक आ गया पतंग का डोर उनके गले में लिपट गया था। पतंग का डोर उनके गले से ऐसा आरपार हुआ था कि उनका गला देखते ही देखते में कट गया था और वह घायल हो गई थी। दुर्घटना के बाद उनका एक्टिवा स्लीप हो गई थी। यह दुर्घटना बाद आसपास के लोग मदद के लिए आये थे। दूसरी तरफ मासूम बेटी मां की हालत देखकर डर गई थी। दुर्घटना में ९ वर्ष की बेटी का बचाव हुआ था। यह रोने लगी थी। लोगों ने तुरंत अंकिताबहन को उपचार के लिए अस्पताल में भेजा गया। लेकिन उनका बचाव नहीं हो सका। इस तरह जैसे-जैसे उत्तरायण का त्यौहार निकट आ रहा है, वैसे वैसे पतंग की डोर से दुर्घटना का प्रमाण बढ़ रहा है। भरूच में पतंग की डोर से एक महिला की जान ले ली है। अस्पताल में मां का शव के पास डर गई ९ वर्ष की बेटी के रोने से लोगों की आंखें नम हो गई थी।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95